CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक
संपादक : संजय आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानंद जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 333 ता. 15 जून 2021, मंगलवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

सबसे बड़ा है संविधान, सभी करें इसका पालन; यही है लोकतंत्र की कामयाबी और ताकत

नई दिल्ली। मेरे 40 साल के अनुभव में यही सामने आया है कि जिसका जो काम है, वह संविधान ने उसे बता रखा है। किसी भी प्रजातंत्र की आदर्श स्थिति वही होती है कि जब सभी अंग एक-दूसरे का सम्मान करें। यह कोई नाक की लड़ाई नहीं है। संविधान सबसे बड़ा है, इसे साबित करने की कोई बात भी नहीं है। अब संविधान के तहत कोई कानून बना है तो आवश्यकता के अनुसार उसे बदला जा सकता है। अगर दोपहिया वाहन चालक के लिए हेलमेट पहनना जरूरी है तो सिख धर्म के लोग अपने धार्मिक कानून का हवाला देकर हेलमेट पहनने के नियम से खुद को बाहर करने की मांग कर सकते हैं। अब ऐसी स्थिति में अदालत उनके सम्मान में बदलाव करने का आदेश दे सकती है, लेकिन अगर यह कहा जाए कि अदालत के आदेश पर कानून बनेगा तो ऐसा कतई संभव नहीं है। यहां मैं साफ कर देना चाहता हूं कि यह सरकार पर निर्भर करता है कि अदालत के किस आदेश पर कानून बनाना है और किस पर नहीं बनाना है। अब ऐसे में टकराव की स्थिति पैदा होना संभव है। लोकतंत्र के तीनों अंगों में टकराव न हो इसके लिए एक व्यवस्था हमेशा से चली आ रही है। सभी को अपना-अपना काम करना चाहिए और दूसरे के काम में दखल नहीं देना चाहिए। जहां तक हम बात करें संविधान में संशोधन की, तो फिलहाल ऐसी कोई स्थिति नहीं है। जब भी किसी बदलाव की मांग उठती है तो उस पर गहनता से चर्चा होती है। सरकार अकेले संशोधन नहीं कर सकती। चूंकि दो तिहाई बहुमत चाहिए होता है तो विपक्ष को विश्वास में लेना पड़ता है। संविधान में तीन तरह से बदलाव होते हैं। एडिशन, वैरिएशन और रिवील। संविधान में भले ही एक शब्द जोड़ा जाए तो वह एडिशन कहलाता है, एक शब्द बदलना हो तो वैरिएशन और एक भी शब्द हटाना हो तो यह रिवील कहलाता है। पिछले 70 सालों में 100 से ज्यादा बदलाव किए गए हैं। हमारा संविधान सभी देशों के संविधान से बड़ा है। अमेरिका का संविधान तीन पन्नों में सिमट जाता है।

ड्रैगन को जोर का झटका देगा बीबीबी प्लान, भारत भी बन सकता है हिस्सा

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिका की ओर से दिए गए ग्लोबल इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट बीबीबी पर विचार करने की बात कही है। हाल ही में जी-7 मीटिंग के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 'बिल्ड बैक बेटर' प्लान का प्रस्ताव दिया था, जिसे चीन के बेल्ट एंड रोड प्रोजेक्ट को काउंटर करने वाला माना जा रहा है। यदि दुनिया के जी-7 देश इस दिशा में आगे बढ़ते हैं तो एशिया से यूरोप तक के मुल्कों में दखल की तैयारी कर रहे चीन को बड़ा झटका लगेगा। इस परियोजना का नेतृत्व दुनिया के बड़े लोकतंत्र करेंगे। इसके अलावा तकनीकी और आर्थिक मदद भी इन देशों की ओर से ही की जाएगी। इस प्रोजेक्ट पर 40 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की लागतर का अनुमान है। यह परियोजना उन देशों को फोकस करेगी, जो कोरोना संकट से बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं।

इसके अलावा इस ग्लोबल इन्फ्रास्ट्रक्चर प्लान के जरिए लोकल लेवल पर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी पैदा होने की बात कही जा रही है। भारत का कहना है कि वह इस परियोजना का अध्ययन कर रहा है और इससे जुड़ सकता है। मीडिया से बात करते हुए विदेश मंत्रालय के अधिकारी पी. हर्ष ने कहा, बिल्ड बैक बेटर को लेकर यदि आप सवाल पूछ रहे हैं तो मैं यही कह सकता हूं कि भारत अपनी एजेंसियों के जरिए इसका प्रभाव का आकलन कराएगा और उसके बाद इससे जुड़ भी सकता है।% चीन के बेल्ट एंड रोड प्रोजेक्ट की उन देशों की ओर से भी आलोचना शुरू हो गई है, जो उसका हिस्सा हैं। संबंधित देशों पर लगातार बढ़ रहे कर्ज और स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार न मिलने को लेकर इसकी आलोचनाएं हो रही हैं।

भारत ने चीन के इस प्रोजेक्ट से जुड़ने से इनकार कर दिया था, जबकि पाकिस्तान, नेपाल और श्रीलंका जैसे देश इसका हिस्सा हैं। भारत ने इस परियोजना के तहत बन रहे चाइना पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर को लेकर ऐतराज जताया था क्योंकि यह भारत के जम्मू-कश्मीर के एक हिस्से से होकर गुजरता है, जिस पर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा जमा रखा है। बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी ने जी-7 देशों की मीटिंग में कहा था कि दुनिया के लोकतांत्रिक देशों को यह विचार करना होगा कि कैसे प्रभावी और पारदर्शी तरीकों से परियोजनाओं को पूरा किया जा सकता है।

रविवार को हुई जी-7 देशों की मीटिंग में पीएम मोदी ने कहा था कि भारत सत्तावाद, आतंकवाद, दुष्प्रचार और आर्थिक जबरदस्ती के कारण उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से लोकतंत्र और विचारों की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए जी-7 और उसके सहयोगियों के लिए स्वाभाविक सहयोगी है। पीएम मोदी ने अपने आभासी संबोधन में ब्रिटिश समुद्र तटीय रिसोर्ट कॉर्नवाल में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन और खुले समाज पर

● भारत ने चीन के इस प्रोजेक्ट से जुड़ने से इनकार कर दिया था, जबकि पाकिस्तान, नेपाल और श्रीलंका जैसे देश इसका हिस्सा हैं। भारत ने इस परियोजना के तहत बन रहे चाइना पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर को लेकर ऐतराज जताया था क्योंकि यह भारत के जम्मू-कश्मीर के एक हिस्से से होकर गुजरता है,

दो आउटरीच सत्रों को संबोधित किया। इस बैठक में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूके और यूएस के नेता एक साथ आए, जबकि भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और दक्षिण अफ्रीका अतिथि देशों के रूप में चयनित सत्रों में शामिल हुए।

कोरोना वायरसः डेल्टा, गामा ने एंटीबॉडी घटाई, पर टीका पूरी तरह बेअसर नहीं

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के डेल्टा और गामा वैरिएंट ने भारत सहित दुनिया के कई देशों में तबाही मचाई है। दूसरी लहर के दौरान जहां भारत में ज्यादातर मामले डेल्टा वैरिएंट से जुड़े पाए गए। वहीं यूके में इस वैरिएंट के चलते हालात सामान्य से असामान्य की ओर बढ़ते जा रहे हैं।

वैज्ञानिकों ने कहा, मार्च से मई महीने के बीच दूसरी लहर में दोबारा संक्रमण के मामले आए लेकिन गंभीर नहीं हुई हालत हालांकि वैज्ञानिकों का कहना है कि इन वैरिएंट ने एंटीबॉडी के स्तर को कम किया है जिसकी वजह से मरीज दो-दो बार भी सब कोरोना संक्रमित हुए हैं। इससे पता चलता है कि वैक्सीन कि एंटीबॉडी को भी नए वैरिएंट ने काम किया है लेकिन अध्ययन में पता चला है कि इन नए वैरिएंट के आक्रामक होने के बाद भी भारतीय वैक्सीन असरदार हैं। पुणे स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) के वैज्ञानिकों का कहना है कि नए वैरिएंट का असर समझने के लिए उन्होंने 20 ऐसे व्यक्तियों के सैंपल लिए जिन्हें हाल ही में कोरोना हुआ था और उनमें नया वैरिएंट पाया गया।

इसी तरह 17 लोगों के सैंपल लिए गए जिन्हें 28 दिन के अंतराल में कोवाक्सीन की दोनों खुराक दी गई थीं। इन सैंपल की जांच में पता चला कि इनमें एंटीबॉडी 3 महीने भी नहीं टिक सकीं।

ब्रेक थ्रू के मामले काफी बढ़े

अध्ययन में यह पता चला है कि एंटीबॉडी घटने के बाद भी कोवाक्सीन विषाणुओं से लड़ता रहा और उसने मरीज को गंभीर स्थिति में जाने नहीं दिया। एनआईवी की डॉ. प्रज्ञा यादव ने बताया कि अध्ययन के दौरान यह स्पष्ट है कि नए वैरिएंट एंटीबॉडी को कम कर रहे हैं।

इसका नुकसान यह है कि री इन्फेक्शन और ब्रेक थ्रू (टीकाकरण के बाद संक्रमण) के मामले काफी बढ़े हैं। लेकिन वैक्सीन लेने वालों में यह अधिक गंभीर नहीं हुआ है जिससे पता चलता है कि नए वैरिएंट पर भी वैक्सीन असरदार है।

नए वैरिएंट का असर पड़ा

यूके पब्लिक हेल्थ ने भी बताया था कि डेल्टा वैरिएंट पर एस्ट्राजेनेका कंपनी की वैक्सीन (कोविशील्ड) 60 से 63 फीसदी ही काम कर पा रही हैं। जबकि फाइजर, मॉडर्ना, बायोकॉन इत्यादि कंपनी की वैक्सीन पर भी नए वैरिएंट का असर पड़ा है। इसके बाद यूके सरकार ने भी कोविशील्ड की दो खुराक के बीच 90 दिन के अंतराल को घटाकर छह से आठ सप्ताह रखा है।

अगले 24 घंटों में 20 से ज्यादा राज्यों में बारिश

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम और पूर्वोत्तर के बाद अब मानसून देश के पूर्वी-उत्तरी और मध्य भाग में सक्रिय हो गया है। अगले 24 घंटों में बाकी बचे 20 राज्यों में मानसून दस्तक देगा। पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, ओडिशा बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश, तेलंगाना और केरल समेत हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। इसके अलावा पूर्वोत्तर भारत, दिल्ली, राजस्थान , आंध्र प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में नमी के साथ ही चक्रवाती हवा का क्षेत्र बना हुआ है, जो मानसून को बढ़ाने में सहायक है।

कर्नाटक में 17 जून तक ऑरेंज अलर्ट

भारत मौसम विज्ञान विभाग की बेंगलुरु इकाई के निदेशक सीएस पाटिल ने कहा कि 17 जून तक कर्नाटक के तटीय जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट का एलान किया गया है। पूरे कर्नाटक राज्य में 13 से 17 जून तक भारी बारिश की संभावना है। उत्तर कन्नड़, उडुपी, दक्षिण कन्नड़, शिवमोग्गा और चिकमंगलूर में ज्यादा से ज्यादा बारिश हो सकती है।

आईएमडी ने कहा कि अगले 48 घंटों में मध्यप्रदेश के अधिकांश हिस्सों, पूर्वी उत्तर प्रदेश के शेष हिस्सों, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के कुछ और हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने 5 जुलाई तक पूरे देश में मानसून के आने की उम्मीद जताई है।

मुंबई में बारिश

महाराष्ट्र में मानसून सक्रिय है। मुंबई और आसपास के उपनगरों में बीती रात से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। बारिश के कारण आर्थिक राजधानी के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी है। भारी बारिश के चलते जन-जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग की मानें तो अगले दो दिनों में और बारिश होने की संभावना है। मुंबई और आसपास के इलाकों में हो रही बारिश के चलते जगह-जगह जलजमाव से सड़कों पर लंबा ट्रैफिक जाम लग रहा है। मौसम विभाग ने समुद्र के आसपास नहीं जाने की चेतानी दी है। मुंबई में बीते 4 दिनों में 641.3द्वद्व से ज्यादा बारिश हो चुकी है। मौसम विभाग के मुताबिक 16 जून तक 50 से 60 किमी/ घंटा की रफ्तार से हवाएं चलेंगी

चंडीगढ़ में प्री मानसून , पंजाब और हरियाणा में 15 जून से बारिश

शहर में प्री मानसून बारिश पिछले दो दिनों से जारी है। तेज हवा के साथ हो रही बारिश के कारण जलभराव की समस्या हो गई है। सड़कों व गलियों में बारिश का पानी भर गया है।

भोपाल में पेट्रोल 104 के पार, लद्दाख में भी लगा शतक

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों के बीच लद्दाख में भी महंगाई का रिकॉर्ड टूट गया है। सोमवार को लद्दाख में पेट्रोल की कीमत 100 रुपये के पार पहुंच गई है। केंद्र शासित प्रदेश में पेट्रोल 101.95 रुपये में बिक रहा है। यही नहीं डीजल के दामों से भी राहत नहीं मिल पा रही है। भोपाल में फिलहाल डीजल की कीमत 95.91 रुपये प्रति लीटर है। इसके अलावा अन्य कई राज्यों में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तेजी से उछाल देखने को मिल रहा है। राजधानी दिल्ली की ही बात करें तो पेट्रोल 96.4 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि डीजल की कीमत 87.28 रुपये लीटर चल रही है। इससे पहले रविवार को दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 96.12 रुपये प्रति लीटर थी और डीजल 86.98 रुपये प्रति लीटर में बिका था। इसके अलावा मुंबई में पेट्रोल की कीमत अब 100 रुपये से भी कहीं आगे बढ़ने लगी है। शहर में पेट्रोल के दाम 102.58 रुपये प्रति लीटर हैं, जबकि डीजल भी शतक लगाने के करीब है। फिलहाल मुंबई में डीजल का दाम 94.70 रुपये लीटर है। इन सबसे कहीं आगे मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पेट्रोल की कीमत 104.59 रुपये प्रति लीटर है। बता दें कि पूरे देश में ही बीते कुछ दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तेजी से इजाफा हुआ है। हालांकि राज्यवार इन दामों में अंतर है क्योंकि अलग-अलग प्रांतों में वैट की दर में अंतर है। इससे पहले बीते शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी की ओर से देश भर में पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ आंदोलन किया गया था। विपक्षी दलों की ओर से लगातार केंद्र सरकार पर महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर हमला बोला जा रहा है।

शरीर में परमाणु बम की तरह हमला करता है कोरोना, 10 फीसदी मरीजों को लंबे समय तक रहती है समस्या

नई दिल्ली। कोरोना रोगियों में ब्लैक फंगस के बाद एक और बड़ा खतरा लांग कोविड का बढ़ रहा है। ब्रिटेन में हुए ताजा अध्ययन बताते हैं कि कोरोना से संक्रमित करीब दस फीसदी लोगों को लंबे समय तक समस्या रह सकती है। लांग कोविड का मतलब यह है कि कोरोना संक्रमण खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक कोरोना का दुष्प्रभाव जारी रहना।

नेचर जर्नल में प्रकाशित एक रिपोर्ट में ब्रिटेन के ऑफिस फॉर नेशनल स्टैस्टिक्स (ओएनएस) ने 20 हजार संक्रमितों पर अध्ययन में पाया कि 13.7 फीसदी लोगों में तीन महीने के बाद भी लांग कोविड के लक्षण पाए गए। इनमें ज्यादातर लक्षण कोरोना जैसे ही होते हैं जिनमें शारीरिक अस्वस्थता, थकान होना, सूखी खांसी, सांस लेने में तकलीफ, सिरदर्द तथा मांसपेसियों में दर्द महसूस करना आदि शामिल है। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन ने लांग कोविड के 3500 मरीजों में कुल 205 किस्म के लक्षण नोट किए हैं जो छह महीनों तक जारी थे।

हालांकि कोरोना टेस्ट नेगेटिव होता है। ओएनएस के अनुसार, संक्रमितों में से दस फीसदी लोगों को लांग कोविड हो रहा है जिसकी अवधि छह महीने या इससे अधिक है। हालांकि तीन महीने तक ऐसे लक्षण कहीं ज्यादा लोगों में पाए गए हैं।

वायरस प्रतिरोधक तंत्र पर परमाणु बम की तरह हमला करता है

शोधकर्ताओं का मनाना है कि कोरोना संक्रमण इंसान के प्रतिरोधक तंत्र पर बुरी तरह से चोट करता है। वायरस प्रतिरोधक तंत्र पर परमाणु बम की तरह हमला करता है। इससे प्रतिरोधक तंत्र बुरी तरह से बिगड़ जाता है जिसका असर लंबे समय तक देखा जा रहा है। हालांकि वैज्ञानिकों का कहना कि इस पर गहन शोध शुरू हुए हैं जिससे सही कारणों का पता चलेगा। इसमें यह भी पता चलेगा कि लांग कोविड का असर कितने लंबे समय तक रह सकता है। क्योंकि अभी तक जो शोध हुए हैं उनमें छह महीने तक इसके प्रभाव दर्ज किए गए हैं।

लोजपा में टूट, पांच सांसदों ने चाचा पशुपति को नेता माना, अकेले पड़े चिराग

नई दिल्ली। पटकथा को रंग देने में ललन सिंह की काफी भूमिका मानी जा रही है। हालांकि सूत्र यह भी बता रहे हैं कि यह तमाम सांसद लोजपा पर भी अपना दावा ठोक सकते हैं। अब देखना होगा कि आखिर चिराग पासवान की राजनीतिक विरासत किधर जाती है। माना जा रहा है कि आज पशुपति पारस शाम में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सभी बातों का जिक्र कर सकते हैं।

बिहार की राजनीति में कुछ बड़ा होने वाला है। खबर आ रही है कि रामविलास पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। पार्टी में सिर्फ चिराग पासवान अकेले बचे हैं। पार्टी के पांच सांसद चिराग पासवान के चाचा और रामविलास पासवान के छोटे भाई पशुपति पारस के नेतृत्व में पार्टी से अलग होने का मन बना चुके हैं। माना जा रहा है कि इस बात को लेकर बैठक हो गई है और बस अब ऐलान होना बाकी है। हैरानी की बात यह है कि पार्टी में बगावत खुद चिराग पासवान के चाचा ने की है। इसमें चिराग पासवान के चचेरे भाई प्रिंस राज में शामिल हैं। पार्टी के पांचो सांसद चिराग पासवान से नाराज बताए जा रहे हैं। इन लोगों को चिराग पासवान की कार्यशैली पसंद नहीं है। विधानसभा चुनाव के वक्त से यह सभी नाराज चल रहे हैं।

सूत्रों की माने तो पशुपति पारस पासवान को नया नेता चुना गया है। बागी सांसदों ने तो चिराग पासवान को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से भी इंकार कर दिया है। अटकलें यह भी लगाई जा रही है कि चिराग पासवान से नाराज इन 5 सांसदों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को चिट्ठी भी लिखी है। चिट्ठी में उन्होंने अपने गुट को अलग से मान्यता देने की मांग की है। दावा किया जा रहा है कि यह गुट जदयू में विलय की तैयारी में भी है। बगावत करने वाले सांसदों में चिराग के चाचा पशुपति पारस पासवान, चचेरे भाई प्रिंस राज, चंदन सिंह, महबूब अली केसर और विणा देवी शामिल हैं।

पशुपति पारस रामविलास पासवान की पारंपरिक हाजीपुर से लोकसभा के सांसद हैं। बगावत के बाद पार्टी में चिराग पासवान अकेले पड़ गए हैं। माना जा रहा है कि इस सियासी हलचल की पटकथा काफी पहले ही लिखी जा चुकी थी। लेकिन चिट्ठी लीक होने के बाद इस मसले को लेकर विधानसभा चुनाव के दौरान पशुपति पारस को सफाई देनी पड़ी थी। पशुपति पारस काफी दिनों से जदयू सांसद ललन सिंह के संपर्क में थे। पटकथा को रंग देने में ललन सिंह की काफी भूमिका मानी जा रही है। हालांकि सूत्र यह भी बता रहे हैं कि यह तमाम सांसद लोजपा पर भी अपना दावा ठोक सकते हैं। अब देखना होगा कि आखिर चिराग पासवान की राजनीतिक विरासत किधर जाती है। माना जा रहा है कि आज पशुपति पारस शाम में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सभी बातों का जिक्र कर सकते हैं।

चिराग पासवान के खिलाफ एकजुट हुए लोजपा सांसद

लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) में दरार पड़ने के संकेत मिल रहे हैं और समझा जा रहा है कि उसके छह लोकसभा सदस्यों में से पांच ने चिराग पासवान को संसद के निचले सदन में पार्टी के नेता के पद से हटाने और उनके चाचा पशुपति कुमार पारस को इस पद पर चुनने के लिए हाथ मिला लिया है। सूत्रों ने बताया कि सांसदों के इस समूह ने लोकसभा अध्यक्ष को अपना यह निर्णय बता दिया है। हालांकि चिराग पासवान या असंतुष्ट खेमे की ओर से इस संदर्भ में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों ने बताया कि असंतुष्ट सांसदों में प्रिंस राज, चंदन सिंह, वीना देवी और महबूब अली कैसर शामिल हैं, जो चिराग के काम करने के तरीके से नाखुश हैं। 2020 में पिता रामविलास पासवान के निधन के बाद कार्यभार संभालने वाले चिराग अब पार्टी में अकेले पड़ते नजर आ रहे हैं। उनके करीबी सूत्रों ने जनता दल (यूनाइटेड) को इस बंटवारे के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि पार्टी लंबे समय से लोजपा अध्यक्ष को अलग-थलग करने की कोशिश कर रही थी क्योंकि 2020 के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ जाने के चिराग के फैसले से सत्ताधारी पार्टी को काफी नुकसान पहुंचा था। सूत्रों ने बताया कि नाराज लोजपा सांसदों का समूह भविष्य में जद (यू) का समर्थन कर सकता है।

CMYK

सार समाचार

आंध्र सरकार कोरोना से हुई मौतों के आंकड़े को छिपा रही है: टीडीपी

हैदराबाद। तेलुगू देशम पार्टी टीडीपी के राष्ट्रीय महासचिव और आंध्र प्रदेश के विपक्षी नेता नारा लोकेश ने सोमवार को आरोप लगाया है कि राज्य सरकार द्वारा कोविड से हुई मौतों की वास्तविक संख्या छिपाई जा रही है, ताकि उन्हें मुआवजे का भुगतान न करना पड़े।

एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए लोकेश ने आरोप लगाया, हम शुरू से ही यह कहते आ रहे हैं कि वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की सरकार आने वाले समय में मुआवजों से मुंह मोड़ने के लिए मौतों के वास्तविक आंकड़े को छिपाएगी। हाल के आंकड़ों ने तो हमें चौंका दिया है। टीडीपी के सेकेंड इन कमांड द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, मई में 1 लाख से अधिक मौतें हुई थीं, लेकिन कोविड से हुई मौतों का आंकड़ा केवल 2,938 ही दिखाया गया था। राज्य सरकार ने आधिकारिक तौर पर बताया है कि महामारी की शुरूआत होने से लेकर रविवार तक महामारी की चपेट में आकर 11,940 लोगों की मौत हुई है।

बेखौफ बदमाश! हरियाणा में एक निजी स्कूल के संचालक की गोली मारकर हत्या

जींद। हरियाणा में उचाना हलके के अलीपुरा गांव में सोमवार सुबह एक निजी स्कूल के संचालक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गांव अलेवा निवासी सुरेश (48)ने अलीपुरा गांव में एक विद्यालय खोला हुआ है और पिछले लगभग 20-22 साल से वह यहीं पर रह रहे थे। सोमवार अल सुबह सुरेश सैर के लिए निकले थे कि तभी कार सवार दो-तीन अज्ञात लोगों ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि सुरेश के भाई की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। चाना थाना प्रभारी रविंद्र ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने बताया कि हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए आसपास के क्षेत्रों की सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है और शीघ्र ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस के अनुसार करीब दो साल पहले सुरेश के बेटे साहिल की भी रोहतक के नेकीराम कॉलेज में चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी और इस मामले में 12 युवकों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज हुआ था और सुरेश इस मामले में मुख्य गवाह था।

विदेश जाने वाले छात्रों, खिलाड़ियों व अन्य के लिए दिल्ली सरकार ने स्थापित किया टीकाकरण केंद्र

नयी दिल्ली। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने छात्रों, खिलाड़ियों और कामकाज के सिलसिले में विदेश जाने वाले लोगों के लिए सोमवार को शहर के एक स्कूल में विशेष कोविड-19 टीकाकरण केंद्र का उद्घाटन किया। सिसोदिया ने कहा कि इन श्रेणियों के अंतर्गत आने वाले लोगों को टीके की पहली खुराक लगने के 28-84 दिन के अंतराल के बाद विशेष

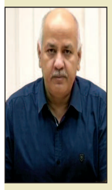

प्रावधानों के तहत इस केंद्र में दूसरी खुराक लग सकेगी। उक्त टीकाकरण केंद्र मंदिर मार्ग पर स्थित नवयुग स्कूल में स्थापित किया गया है। सिसोदिया ने कहा कि विशेष टीकाकरण केंद्र का उद्देश्य उन लोगों को शुभकामनाएं देना है जो विशिष्ट श्रेणी के तहत विदेश जा रहे हैं। उद्घाटन के दौरान उन्होंने कहा, 'आजकल हमारे बच्चे उच्च शिक्षा, रोजगार या अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में भाग लेने के लिए विदेश जाते हैं। हमने विदेश जा रहे इन सभी नागरिकों के लिए इस विशेष टीकाकरण केंद्र को खोला है। इसमें बिना किसी परेशानी के जल्दी टीका लग सकेगा।' मंत्री ने कहा कि केंद्र में कोविशील्ड टीका लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार के विशेष प्रावधानों के तहत योग्य उम्मीदवारों को टीके की पहली खुराक लगने के 28-84 दिन के बाद दूसरी खुराक लग सकेगी। इस सुविधा का लाभ उठाने वालों को अपने साथ पासपोर्ट तथा अन्य यात्रा संबंधी कागजात लाने होंगे। एक आधिकारिक आदेश के मुताबिक यह सुविधा उन्हें मिल सकेगी, जो 31 अगस्त के भीतर विदेश जाने वाले हैं।

केरल में अवैध रूप से पेड़ों की कटाई पर सख्त कार्रवाई: वन मंत्री

तिरुवनंतपुरम। (एजेंसी)।

पिनाराई विजयन सरकार केरल के वायनाड और अन्य जिलों में सदियों पुराने शीशम और अन्य पेड़ों की कथित तौर पर 500 करोड़ रुपये से अधिक की कथित कटाई के बंधन में फंस गई है। राज्य के वन मंत्री ए.के. शशिंद्रन ने सोमवार को कहा कि उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बहुआयामी कार्रवाई की जाएगी। ससींद्रन ने मीडिया से बात करते हुए यह बात कही। उन्होंने बताया कि विजिलेंस, पुलिस और वन ने जांच शुरू कर दी है। ससींद्रन ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि प्रारंभिक रिपोर्ट बहुत जल्द आएगी और एक बार आने के बाद, बहुत सख्त कार्रवाई होगी । इसमें सिर्फ निलंबन नहीं होगा, बल्कि बहुत मजबूत बहुआयामी कार्रवाई होगी। ऐसे सभी पेड़ जो अवैध रूप से काटे गए हैं, उन्हें जब्त कर लिया जाएगा और सरकार कार्रवाई कर हिरासत में लेगी। इस मामले में प्रमुख पर्यावरणविद् प्रचारक और भाकपा के राज्यसभा सदस्य बिनॉय विश्वन और भाकपा के राज्य सचिव कनम राजेंद्रन की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। आमतौर पर करप्शन से जुड़े मामलों में ये नेता जमकर हंगामा करते हैं लेकिन जब कोई कांग्रेस का नेता इसमें शामिल होता है तो कोई हंगामा नहीं होता। रोजी ऑगस्टीन नाम के एक लकड़ी के व्यापारी पर वन अधिकारियों ने आरोप लगाया था कि उसने वायनाड में महंगे शीशम के पेड़ काटे थे। हालांकि, व्यापारी ने दावा किया कि उसने नियमों के अनुसार पेड़ों को काटा था और आवश्यक कागजात प्राप्त करने के लिए, उसने वन अधिकारियों को 25 लाख रुपये रिश्वत के तौर पर दिए थे। संयोग से, यह मुद्दा पिछले हफ्ते केरल विधानसभा में कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष द्वारा उठाया गया था, जबकि यही मामला केरल उच्च न्यायालय में भी सामने आया था। संयोग से अक्टूबर के आदेश ने उन लोगों की भूमि में चंदन के पेड़ों को छोड़कर पेड़ों को काटने की अनुमति दी, जिनके पास मालिकाना हक है और हालांकि तत्कालीन राज्य के राजस्व मंत्री ई चंद्रशेखरन ने सहमति व्यक्त की कि यह विभिन्न किसान संगठनों के कई अनुरोधों के बाद किया गया था। इसके अलावा रिपोर्ट्स अब सामने आई हैं कि इस मुद्दे पर चंद्रशेखरन और उनकी पार्टी के सहयोगी के. राजू - तत्कालीन वन मंत्री के बीच तीन बैठकें हुई थीं। अब ऐसी खबरें सामने आई हैं कि विवादित आदेश में कहा गया है कि वन विभाग के अधिकारी इस आदेश के आधार पर पेड़ गिरने वालों के लिए किसी भी तरह की समस्या पैदा नहीं करें, अगर ऐसा किया गया तो ऐसे अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय वन और पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर से मुलाकात की और शीशम के पेड़ों की बड़े पैमाने पर कटाई के संबंध में उनके मंत्रालय द्वारा विस्तृत जांच की मांग करते हुए भाजपा ने भी कदम बढ़ाया है। अगले दिन वह वायनाड में उन स्थानों पर थे जहां 200 साल से अधिक पुराने शीशम के पेड़ काटे गए थे। सोमवार को विभिन्न राज्य भाजपा नेताओं ने अलग-अलग टीमों का गठन किया है और विभिन्न जिलों का दौरा कर रहे हैं जहां इस विवादास्पद आदेश के आधार पर पेड़ काटे गए थे। बुधवार को वे इस बड़े घोटाले के खिलाफ राज्य में 16,000 स्थानों पर कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

मोदी सरकार जो उपदेश दुनिया को देती है, उस पर पहले खुद अमल करे: चिदंबरम

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने जी-7 समूह की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से लोकतंत्र एवं वैचारिक स्वतंत्रता पर जोर दिए जाने को लेकर सोमवार को उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मोदी सरकार जो उपदेश पूरी दुनिया को देती है तो उस पर उसे पहले खुद अमल करना चाहिए। चिदंरबम ने ट्वीट किया, ''जी-7 आउटरीच बैठक में प्रधानमंत्री मोदी का भाषण प्रेरक होने के साथ-साथ अजीबो-गरीब भी था। मोदी सरकार जो उपदेश दुनिया को देती है उसे पहले भारत में अमल में लाना चाहिए।''

उन्होंने दावा किया, ''यह दुख की बात है कि प्रधानमंत्री मोदी एकमात्र ऐसे अतिथि थे जो आउटरीच बैठक में सीधे तौर पर मौजूद नहीं थे। अपने आप से पूछिए, क्यों ? क्योंकि जहां तक कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई का सवाल है, तो भारत की स्थिति सबसे अलग है। हम जनसंख्या के अनुपात में सबसे अधिक संक्रमित और सबसे कम टीकाकरण वाले देश हैं।''

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को जी-7 के शिखर सम्मेलन के सत्र में कहा कि तानाशाही, आतंकवाद, हिंसक उग्रवाद, झूठी सूचनाओं और आर्थिक जोर-जबरदस्ती से उत्पन्न विभिन्न खतरों से साझा मूल्यों की रक्षा करने में भारत जी-7 का एक स्वाभाविक साझेदार है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, जी-7 शिखर सम्मेलन के 'मुक्त समाज एवं मुक्त अर्थव्यवस्थाएं' सत्र में मोदी ने अपने संबोधन में लोकतंत्र, वैचारिक स्वतंत्रता और स्वाधीनता के प्रति भारत की सभ्यतागत प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इस सत्र को संबोधित किया।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की ऑनलाइन मासिक मीटिंग संपन्न

संवाददाता जनार्दन गौड़ मुंगराबादशाहपुर /जौनपुर ।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की जनपद जौनपुर का ऑनलाइन मासिक मीटिंग देर शाम रविवार को सम्पन्न हुआ। यह बैठक अहिल्याबाई पाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्हईपुर,बनबिहार रोड जौनपुर में होना था। पर बारिश के कारण सभी सदस्यों की सहमति पर ऑनलाइन किया गया, जिनमें संगठन के विभिन्न पहुलओं पर गंभीरता से चर्चा किया गया। जिसमें सभी पदाधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक में संगठन में जिले के सभी ब्लॉक, तहसीलों से पत्रकार साथियों को शामिल करने के लिए और उनको क्षेत्र में खबर कवरेज के दौरान आने वाली समस्याओं व पत्रकारों के साथ प्रशासन द्वारा प्रताड़ित करना,सभी तहसील अध्यक्ष द्वारा अपने अपने क्षेत्र में संगठन का कार्यालय स्थापित करना जनसंपर्क के लिए आदि विभिन्न मुद्दों पर महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक/संस्थापक भगवान प्रसाद उपाध्याय की अध्यक्षता में विस्तार से चर्चा किया गया। ऑनलाइन मीटिंग में भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक भगवान प्रसाद उपाध्याय, जौनपुर जिलाध्यक्ष माधवेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष विनोद पाल, मुख्य महासचिव आनंद कुमार, मीडिया प्रभारी सूरज विश्वकर्मा,महासचिव प्रमेंद्र यादव, शाहगंज प्रभारी अनिल शर्मा, संगठन सचिव नमन गुप्ता, बदलापुर प्रभारी प्रिंस दुबे,जनार्दन गौड़, महेश पाल,कार्यालय सचिव शिवम सिंह, विवेक जयसवाल, रवि गौतम कार्यकारिणी सदस्य ऑनलाइन मीटिंग में उपस्थित हुए।

महिलाओं के माध्यम से दाल की रिकॉर्ड खरीद करेगी योगी सरकार

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश सरकार गेहूं की रिकॉर्ड खरीद करने के बाद अब राज्य के किसानों से तिलहन और दलहन की रिकॉर्ड खरीद करने के लिए तैयार है।

राज्य सरकार ने इस कार्य को अंजाम देने वाली फर्मों की स्थापना सहित आवश्यक तैयारी की है। यह योजना सबसे पहले बुंदेलखंड में शुरू की जाएगी, जहां महिलाओं को स्थानीय किसानों से तिलहन और दलहन खरीदने की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। सरकार का उद्देश्य यूपी के किसानों को उनकी आय और जीवन स्तर को ऊंचा करके उनका हक देना और महिलाओं को सशक्त बनाना और उन्हें पहल के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है। इस पहल से न केवल महिलाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे, बल्कि उन्हें फसल खरीदने वाली कंपनियों में शेयरधारक बनने की भी अनुमति मिलेगी, जिससे उनकी आय कई गुना बढ़ जाएगी। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार इच्छुक महिलाओं के लिए सदस्यता अभियान जोरों पर चल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इससे पहले दलहन और तिलहन मूल्य श्रृंखला परियोजना का शुभारंभ किया था। सरकार ने बुंदेलखंड के दो जिलों में योजना शुरू करने की तैयारी पूरी कर ली है। इसकी शुरूआत सितंबर-अक्टूबर माह में खरीफ फसल की खरीद के साथ होगी। परियोजना का संचालन शुरू करने के लिए झलकारी बाई महिला किसान निर्माता कंपनी लिमिटेड का गठन किया जा चुका है। तीन साल की इस परियोजना में 17,700 महिलाओं को शेयरधारकों के रूप में शामिल किया जाएगा। महोबा के तीन और झांसी के चार विकासखंडों में 250 गांवों की महिलाएं दाल-तिलहन खरीदेंगी। योगी सरकार चार साल पहले सत्ता संभालने के बाद से अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से राज्य की बालिकाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। राज्य सरकार ने पांच शहरों में महिलाओं की कंपनी बनाकर उन्हें दूध खरीदने में लगा दिया है और अब इन महिलाओं को खरीफ फसल में दलहन और तिलहन की खरीद में शामिल करने की तैयारी तेज कर दी गई है। योजनाओं से बुंदेलखंड क्षेत्र की महिलाओं का सशक्तिकरण होगा।

अयोध्या जमीन मामला: महिला कांग्रेस का मुख्यमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन

लखनऊ। (एजेंसी)।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर जमीन से जुड़े मामले को लेकर महिला कांग्रेस ने मुख्यमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने प्रदर्शन करती महिला कार्यकर्ताओं का वीडियो साझा किया। उन्होंने कहा कि अयोध्या ट्रस्ट जमीन घोटाले में भ्रष्टाचार के खिलाफ महिला कांग्रेस अध्यक्षा प्रतिभा पाल, महिला नेत्री करिश्मा ठाकुर सहित अन्य महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने पर गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को आम आदमी के भावनाओं के साथ खिलवाड़ का जवाब देना होगा। वहीं एक अन्य वीडियो में कांग्रेस की एक महिला कार्यकर्ता ने कहा कि आज महिला पीड़ित हो चुकी हैं। जबकि दूसरी महिला ने कहा कि हम भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। बता दें कि साल 2022 में विधानसभा चुनाव होने वाला है और इससे पहले तमाम पार्टियां मामले को भुनाने में जुटी हुई हैं। अजय कुमार लल्लू ने कहा कि भाजपा है तो यह लूट है, भ्रष्टाचार है। आम आदमी के चंदे और भावनाओं पर 16 करोड़ की लूट आम आदमी के साथ विश्वासघात है। यह महज भ्रष्टाचार नहीं है, भावनाओं पर चोट है। हम निष्पक्ष जांच की मांग करते हैं। चंदा चोर, गद्दी छोड़।

गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने रविवार को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए उसकी जांच सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से कराने की मांग की थी। सिंह ने लखनऊ में दावा किया था कि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने संस्था के सदस्य अनिल मिश्रा की मदद से दो करोड़ रुपए कीमत की जमीन 18 करोड़ रुपए में खरीदी।

नाना पटोले ने मुख्यमंत्री उम्मीदवार बनने की जताई इच्छा, बोले- अगला विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी कांग्रेस

मुंबई। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने मुख्यमंत्री उम्मीदवार बनने की इच्छा जाहिर की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नाना पटोले ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव कांग्रेस अकेले लड़ेगी। आलाकमान ने फैसला किया तो मैं मुख्यमंत्री का चेहरा बनने के लिए तैयार हूं। इससे पहले शनिवार को अमरावती में नाना पटोले का बयान सामने आया था। जहां पर उन्होंने साफ शब्दों में कहा था कि साल 2024 के चुनाव में कांग्रेस प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी और केवल कांग्रेस की विचारधारा ही देश को बचा सकती है।

बता दें कि महाराष्ट्र में कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और शिवसेना के गठबंधन वाली सरकार है। हालांकि 2024 में होने वाला विधानसभा और लोकसभा चुनाव तीनों पार्टियां एकजुट होकर लड़ेंगी या फिर अलग-अलग इसका फैसला नहीं हुआ था। एनसीपी प्रवक्ता नवाब मलिक ने कहा था कि सरकार में तीनों पार्टियां लोगों के कल्याण के लिए एकजुट होकर काम कर रही हैं

और अबतक यह फैसला नहीं हुआ है कि वर्ष 2024 का चुनाव कैसे लड़ा जाएगा।

महामारी के बीच महाराष्ट्र में राजनीति जारी, सरकार को लेकर शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस के अलग-अलग दावे

मुंबई। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार है। लेकिन ऐसा लग रहा है कि सब कुछ यहां भी ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। ऐसा हम नहीं बल्कि नेताओं के बयानों से निकल कर सामने आ रहा है। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद के लिए एक बार फिर से मारामारी सी लग रही है। महाराष्ट्र में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले के बयान से राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। नाना पटोले ने दावा किया है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव कांग्रेस अकेले लड़ेगी। पटोले ने तो यह भी कह दिया कि आलाकमान ने फैसला किया तो मैं मुख्यमंत्री का चेहरा बनने के लिए तैयार हूं। जाहिर सी बात है, कहीं ना कहीं मुख्यमंत्री पद को लेकर अभी भी महाराष्ट्र में एक गठबंधन में शामिल होने के बाद भी शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी के अलग-अलग दावे हैं। हालांकि, नाना पटोले ने इसके बाद जरूर कहा कि 5 साल तक हो तो ठाकरे की सरकार को कांग्रेस का पूरा समर्थन रहेगा। 5 साल तक हमारी तरफ से सरकार को कोई तकलीफ नहीं है।

दूसरी ओर एनसीपी के फाउंडेशन डे पर शरद पवार ने भी यह कहा था कि महाराष्ट्र में फिलहाल सरकार स्थित है और वह चलती रहेगी। लेकिन नेताओं और पार्टियों की ओर से आने वाले इस तरह के बयान कहीं न कहीं सरकार में सब कुछ ठीक नहीं है का संकेत दे रही है। नाना पटोले के बयान ने एक बार फिर से महाराष्ट्र की राजनीति को नया मोड़ दे दिया है। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि जब आने वाले चुनाव में कांग्रेस अलग लड़ना चाहती है तो ऐसे में क्या मुंबई नगर निगम और पुणे नगर निगम के चुनाव में यह तीनों दल एक साथ चुनाव लड़ेंगे? यह ऐसा सवाल है जिसका जवाब तो इन पार्टियों को देना पड़ेगा। लेकिन सवाल यह भी है कि ऐसे बयानों से उद्धव ठाकरे के प्रति पार्टियों के अंदर अविश्वास की कमी साफ तौर पर झलकती है। इसके अलावा महाराष्ट्र में चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर और एनसीपी प्रमुख शरद पवार के बीच हुई बैठक को लेकर भी राजनीति गर्म है।

नाना पटोले के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना के संजय रावत ने कहा कि संजय राउत ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र में महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार में मुख्यमंत्री का पद पांच साल के कार्यकाल में शिवसेना के पास ही रहेगा और यह कुछ ऐसा है जिस पर कोई 'समझौता' नहीं किया जा सकता। राज्य में भाजपा की पुरानी सहयोगियों में से एक शिवसेना ने मुख्यमंत्री पद साझा करने के मुद्दे पर भगवा दल का साथ छोड़ दिया था और प्रतिद्वंद्वी राकांपा और कांग्रेस के साथ 2019 में हाथ मिलाकर एमवीए सरकार बनाई थी। नासिक में संवाददाताओं से राउत ने कहा, ''एमवीए सरकार में शिवसेना के पास ही मुख्यमंत्री का पद रहेगा। यह प्रतिबद्धता है और इस पद को साझा नहीं किया जा सकता है। इस पर कोई समझौता नहीं होगा।'' राउत दरअसल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। पटोले ने कहा था कि 2024 के विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस राज्य की बड़ी पार्टी होगी। राउत ने कहा कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है, जिसमें यह कहा जा रहा है कि पटोले मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''किसी भी पद पर पहुंचने की इच्छा रखने में कोई बुराई नहीं है। सभी पार्टियों में कई नेता दावेदार हैं। कांग्रेस में कई नेता देश का नेतृत्व करने में भी सक्षम हैं।'' राउत ने कहा कि एमवीए ऐसी तीन पार्टियों का गठबंधन है, जिसकी विचारधारा अलग-अलग है। वहीं चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की राकांपा प्रमुख शरद पवार के साथ हाल में हुई बैठक के संदर्भ में पूछे गए एक सवाल के जवाब में राज्य सभा सांसद ने कहा कि किशोर कई नेताओं से मिले हैं और नरेंद्र मोदी के लिए भी काम कर चुके हैं।

वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने कहा कि महा विकास अघाडी (एमवीए) के तीनों घटक महाराष्ट्र सरकार चलाने के मुद्दे पर एकजुट हैं लेकिन वर्ष 2024 में होने वाले राज्य विधानसभा और लोकसभा के चुनाव साथ लड़ने पर अबतक फैसला नहीं हुआ है। राकांपा के प्रवक्ता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक ने यह टिप्पणी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के उस बयान के एक दिन बाद की है जिसमें उन्होंने कहा था कि अगले विधानसभा सभा चुनाव में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद शिवसेना के नेतृत्व में एमवीए की सरकार बनी थी जिसमें राकांपा और कांग्रेस साझेदार हैं। मलिक ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि एमवीए का गठन न्यूनतम साझा कार्यक्रम (सीएमपी) के आधार पर हुआ है और उसने जनहित में कई फैसले लिए हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार के प्रदर्शन से आम आदमी संतुष्ट है फिर चाहे वह किसान का मुद्दा हो या कोविड-19 महामारी का प्रबंधन। मलिक ने कहा, ''प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि उनकी पार्टी अगला चुनाव अकेले लड़ेगी। वह मुख्यमंत्री बनने की इच्छा रखते हैं। कोई भी किसी को किसी पद की इच्छा रखने से रोक नहीं सकता। प्रत्येक पार्टी को अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने और संगठन को मजबूत करने के लिए काम करना पड़ता है।'' उन्होंने कहा कि आगामी स्थानीय निकाय चुनाव तीनों पार्टियां एक साथ या अकेले-अकेले भी लड़ सकती है। तीन में से दो पार्टियां भी गठबंधन कर सकती हैं। फैसला स्थिति के अनुरूप लिया जाएगा। मलिक ने कहा, '' सरकार में तीनों पार्टियां लोगों के कल्याण के लिए एकजुट होकर काम कर रही हैं और अबतक यह फैसला नहीं हुआ है कि वर्ष 2024 का चुनाव कैसे लड़ा जाएगा।''

सार समाचार

पाकिस्तान में भारी बारिश एवं आंधी तूफान से नौ लोगों की मौत, 17 घायल

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में भारी वर्षा एवं आंधी-तूफान से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गयी और 17 अन्य घायल हो गये। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने बताया कि मूसलाधार बारिश की वजह से पिछले 24 घंटे में चार और लोगों की मौत हो गयी एवं 12 अन्य घायल हो गये। उसने बताया कि इस भारी वर्षा से मरने वालों की संख्या बढ़कर नौ हो गयी जबकि घायलों की संख्या 17 तक पहुंच गयी।
उसने बताया कि बारिश से तीन और मकानों को भी आंशिक रूप से नुकसान पहुंचा। पीडीएमए ने बताया कि भारी बारिश की सबसे अधिक मार चित्राल, डीर, मानसेहरा और स्वात समेत पहाड़ी एवं पर्वतीय जिलों पर पड़ी है। पीडीएमए ने संबंधित जिला प्रशासनों को वर्षा प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया है।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति की अप्रूवल रेटिंग बढ़ी : पोल

सियोल, 14 जून (आईएएनएस)। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे-इन की अप्रूवल रेटिंग सप्ताह के दौरान 0.2 प्रतिशत अंक बढ़कर 38.5 प्रतिशत हो गई। सोमवार को एक नए सर्वेक्षण से यह जानकारी सामने आई। रियलमेटर सर्वेक्षण के अनुसार, मून के राज्य मामलों के आचरण पर नकारात्मक मूल्यांकन 0.3 प्रतिशत अंक घटकर 57.6 प्रतिशत हो गया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मून की सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए समर्थन एक सप्ताह पहले के 0.5 प्रतिशत अंक गिरकर पिछले सप्ताह 29.2 प्रतिशत हो गया। मुख्य कंजरवेटिव विपक्षी पीपल पावर पार्टी ने पिछले सप्ताह 39.1 प्रतिशत समर्थन हासिल किया, जो पिछले सप्ताह से 1.1 प्रतिशत अंक अधिक है। माइनर सेंटर-राइट पीपुल्स पार्टी ने अप्रूवल स्कोर का 6.7 प्रतिशत प्राप्त किया, इसके बाद माइनर सेंटर-लेफ्ट ओपन डेमोक्रेटिक पार्टी ने 6.0 प्रतिशत और माइनर प्रोग्रेसिव जस्टिस पार्टी को 3.9 प्रतिशत प्राप्त किया। नतीजे 7-11 जून के बीच हुए 2,512 मतदाताओं के सर्वेक्षण पर आधारित थे।

नेपाल के प्रधानमंत्री ने पहले लिक्विड ऑक्सीजन संयंत्र की आधारशिला रखी

काठमांडु। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने देश के पहले लिक्विड ऑक्सीजन संयंत्र के निर्माण के लिए आधारशिला रखी है, इससे देश को अधिक से अधिक मात्रा में ऑक्सीजन की आपूर्ति कराए जाने में मदद मिलेगी। रविवार को वर्चुअली आयोजित इस उद्घाटन समारोह में पीएम ने कहा, चूंकि महामारी के समय में भारत से आयात किए जाने वाले ऑक्सीजन पर्याप्त नहीं होंगे। ऐसे में ऑक्सीजन की आपूर्ति की कमी को पूरा करने के लिए यह संयंत्र मददगार साबित होगा। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, नेपाल में तरल ऑक्सीजन का एकमात्र आयातक शंकर ऑक्सीजन गैस प्राइवेट लिमिटेड ने देश के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित शहर भैरहवा में अपने खुद के इस प्लांट को बसाया है। कंपनी के मुताबिक, 3,716 वर्ग मीटर के क्षेत्र को कवर करने वाले इस संयंत्र की उत्पादन क्षमता प्रति दिन 60 टन होगी। पीएम ने आगे कहा, उत्पादन की अतिरिक्त मात्रा का निर्यात पड़ोसी देशों को किया जा सकता है और एक बार महामारी के खत्म हो जाने के बाद औद्योगिक क्षेत्र में इनका उपयोग किया जा सकता है।

सऊदी की सीमा से सटे शहर के स्कूल पर गिरा बम से लदा ड्रोन

रियाद। सऊदी की सीमा से लगे शहर असीर के स्कूल पर बम से लदा हुआ एक ड्रोन आकर गिरा है। नागरिक सुरक्षा मंत्रालय ने इसकी सूचना दी है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्रालय के प्रवक्ता कैप्टन अब्दुलजलील अल जिलबन ने रविवार को खुलासा किया कि हौथी विद्रोहियों के इस ताजा हमले में किसी के भी घायल होने की खबर नहीं है। सऊदी, खासकर इसे सीमावर्ती शहरों को निशाना बनाकर यमनी हौथी विद्रोहियों द्वारा किए गए निरंतर हमलों में से यह सबसे हाल का है। हालांकि अपने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही इनमें से अधिकतर हमले ही नाकाम हो गए हैं। राष्ट्रपति अब्द-रब्बू मंसूर हादी की सरकार के समर्थन में साल 2015 से सऊदी, यमन में हौथी विद्रोहियों के खिलाफ युद्ध का नेतृत्व कर रहा है।

बांग्लादेश में अंसार अल इस्लाम का आतंकवादी गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश के एलीट पुलिस बल और रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) ने सोमवार को शेरपुर जिले के नकला में प्रतिबंधित अंसार अल इस्लाम आतंकवादी संगठन के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया।

सोमवार की तड़के पुलिस और आरएबी 3 टिकातुली ढाका की संयुक्त टीम ने लावा मध्यपारा इलाके से 19 वर्षीय मोहम्मद हसन महमूद को गिरफ्तार कर लिया। आरएबी 3 मीडिया की अतिरिक्त अधीक्षक बीना रानी दास ने आईएएनएस को बताया कि महमूद ने सोशल मीडिया पर राज्य विरोधी, सरकार विरोधी, भड़काऊ, चरमपंथी कॉन्टेंट पोस्ट किया था। उसके मोबाइल और फेसबुक अकाउंट से आतंकवाद में शामिल होने के शुरूआती सबूत मिले हैं। गिरफ्तार आतंकवादी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

भारत के साथ संबंधों को और मजबूत करेंगे इजराइल के नये प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट

यरूशलम। (एजेंसी)।

इजराइल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने सोमवार को कहा कि वह भारत के साथ ''शानदार एवं मधुर संबंधों'' को और मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ काम करने को लेकर उत्सुक हैं। बेनेट ने यह बात मोदी के बधाई ट्वीट के जवाब में कही। यामिना पार्टी के नेता बेनेट (49)ने रविवार को इजराइल के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली और इसके साथ ही बेंजामिन नेतन्याहू के देश में 12 साल से चले आ रहे शासन का अंत हो गया।

मोदी ने बेनेट के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने पर उन्हें बधाई दी तथा कहा कि वह दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूत बनाने के लिए उत्सुक हैं। मोदी ने ट्वीट कर कहा, ''इजराइल का प्रधानमंत्री बनने पर नफ्ताली बेनेट को बधाइयां। हम अगले साल अपने कूटनीतिक संबंधों के उन्नयन के 30 साल पूरे कर रहे हैं तथा इस अवसर पर मैं आपसे मुलाकात करने तथा दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूत करने के लिए उत्सुक हूं।' इसके जवाब में बेनेट ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर कहा, ''धन्यवाद, श्री प्रधानमंत्री मोदी, मैं हमारे दोनों लोकतंत्रों के बीच ''शानदार एवं मधुर संबंधों'' को और मजबूत करने के लिए आपके साथ काम करने को लेकर उत्सुक हूं।'' बेनेट ने रविवार को नेसेट (संसद) द्वारा उन्हें इज़राइल के 13 वें प्रधानमंत्री के रूप में निर्वाचित करने के बाद पद की शपथ ली। वहीं, इजराइल के वैकल्पिक प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री याइर लापिद ने सोमवार को कहा कि नई सरकार भारत के साथ 'रणनीतिक संबंधों को आगे बढ़ाने' के लिए काम करेगी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बधाई संदेश के जवाब में लापिद ने ट्वीट किया, 'मैं दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंधों को आगे बढ़ाने की दिशा में साथ काम करने की उम्मीद करता हूं और आशा है कि जल्द ही इजराइल में आपका स्वागत करेंगे।' जयशंकर ने इससे पहले एक ट्वीट कर अपने इजराइली समकक्ष को बधाई दी थी। उन्होंने लिखा था, 'इजराइल के वैकल्पिक प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री याइर लापिद को उनकी नियुक्ति पर बधाई। अपनी बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी को और आगे ले जाने के लिए मिलकर काम करने को तत्पर हैं।' येश आतीद पार्टी के प्रमुख लापिद सत्ता साझेदारी समझौते के तहत सितंबर 2023 में बेनेट से प्रधानमंत्री पद का दायित्व संभालेंगे और कार्यकाल पूरा होने तक दो साल के लिए इस पद पर रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजराइल के नए प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने वाले नफ्ताली बेनेट को बधाई देने के साथ ही अपने ट्वीट में नेतन्याहू के प्रति अपना 'गहरा आभार' व्यक्त किया। मोदी ने भारत-इजराइल साझेदारी को ''व्यक्तिगत तौर पर प्राथमिकता'' देने के लिए नेतन्याहू का धन्यवाद व्यक्त किया।

नफ्ताली बेनेट ने बने इजराइल के प्रधानमंत्री, नेतन्याहू का 12 साल का कार्यकाल खत्म

सैन डिएगो। (एजेंसी)।

यरुशलम। नफ्ताली बेनेट ने 13 जून को इजराइल के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही 12 साल से प्रधानमंत्री पद पर काबिज बेंजामिन नेतन्याहू का कार्यकाल खत्म हो गया। संसद में बहुमत हासिल करने के बाद दक्षिणपंथी यामिना पार्टी के 49 वर्षीय नेता बेनेट ने रविवार को शपथ ली। इससे पहले, इजराइल की 120 सदस्यीय संसद 'नेसेट' में 60 सदस्यों ने पक्ष में और 59 सदस्यों ने विरोध में मतदान किया। इस दौरान एक सदस्य अनुपस्थित रहा। नयी सरकार में 27 मंत्री हैं जिनमें से नौ महिलाएं हैं। नयी सरकार के लिए अलग-अलग विचारधारा के दलों ने गठबंधन किया है। इनमें दक्षिणपंथी, वाम, मध्यमार्गी के साथ अरब समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाली एक पार्टी भी है। येश एतिद पार्टी के मिकी लेवी को संसद का स्पीकर चुना गया। उनके पक्ष में 67 सदस्यों ने मतदान किया। इससे पहले बेनेट ने संसद में संबोधन के दौरान अपनी सरकार के मंत्रियों के नामों की घोषणा की और इस दौरान 71 वर्षीय नेतन्याहू के समर्थकों ने बाधा भी डाली।

प्रतिद्वंद्वी पार्टी के सांसदों के शोर शराबे के बीच बेनेट ने कहा कि उन्हें गर्व है कि वह ''अलग-अलग विचार वाले लोगों के साथ काम करेंगे।'' बेनेट ने कहा, ''इस निर्णायक समय हम यह जिम्मेदारी उठा रहे हैं। इस सरकार के अलावा देश के सामने बस यही विकल्प था कि और चुनाव करवाएं जाएं। इससे और नफरत फैलती और देश पर असर पड़ता।'' लिकुड पार्टी के सदस्यों ने उनके संबोधन के दौरान हंगामा किया और उनको 'अपराधी' और 'झूठा' बताया। अपने संबोधन में बेनेट ने यह भी कहा कि इजराइल कभी भी ईरान को परमाणु हथियार बनाने की क्षमता हासिल नहीं करने देगा। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बेनेट को बधाई दी और कहा कि वह उनके साथ काम करने को उत्सुक हैं। बाइडन ने कहा, ''अमेरिका के लोगों की ओर से मैं प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट और विदेश मंत्री याइर लापिड तथा नए मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को बधाई देता हूं। दोनों देशों के संबंधों को और प्रगाढ़ करने पर हम काम करेंगे।

सियोल ने नॉर्थ कोरिया से बातचीत की पेशकश का जवाब देने का आग्रह किया

सियोल। (एजेंसी)।

दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय ने सोमवार को उत्तर कोरिया से 15 जून, 2000 की संयुक्त घोषणा की 21वीं वर्षगांठ से पहले सियोल के वार्ता प्रस्ताव का जवाब देने का आह्वान किया। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार उत्तर से घोषणा की भावना पर लौटने और दोनों कोरिया के बीच बातचीत और सहयोग की पेशकश का सकारात्मक जवाब देने का आग्रह करती है। उन्होंने कहा कि सरकार संयुक्त घोषणा सहित अंतर कोरियाई समझौतों को लागू करना जारी रखते हुए कोरियाई प्रायद्वीप शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए सर्वोत्तम प्रयास करेगी। दक्षिण कोरिया के दिवंगत राष्ट्रपति किम डे जुंग और उत्तर कोरिया के दिवंगत नेता किम जोंग इल के बीच जून 2000 में प्योंगयांग में शिखर सम्मेलन के दौरान डिकलिएरेशन की घोषणा की गई थी। दक्षिण कोरियाई सरकार ने घोषणा की 21 वीं वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए मंगलवार को कोई आधिकारिक कार्यक्रम आयोजित नहीं करेगी, लेकिन कई अन्य सभाओं की मेजबानी कथित तौर पर नागरिकों, नगरपालिका सरकारों और संसद द्वारा की जाएगी। प्रवक्ता ने कहा कि डिक्लेरिएशन ने दोनों कोरिया के बीच सुलह, सहयोग, शांति और एकीकरण के लिए एक नए युग की शुरूआत की और कोरियाई प्रायद्वीप शांति प्रक्रिया की नींव रखी। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन और तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच दूसरे शिखर सम्मेलन के फरवरी 2019 में वियतनाम की राजधानी हनोई में बिना किसी समझौते के समाप्त होने के बाद से अंतर कोरियाई वार्ता रुकी हुई है। दोनों कोरिया के बीच तनाव तब बढ़ गया था जब प्योंगयांग ने दक्षिण कोरिया की ओर से उड़ाए गए उत्तर कोरियाई प्रचार पत्रक के विरोध में जून 2020 में सीमावर्ती शहर केसोंग में अंतर कोरियाई संपर्क कार्यालय को नष्ट कर दिया गया था।

अल्जीरिया के संसदीय चुनाव में इस्लामी पार्टी ने जीत का दावा किया

अल्जीयर्स (अल्जीरिया), (एजेंसी)।

अल्जीरिया के संसदीय चुनाव में एक उदारवादी इस्लामी पार्टी ने जीत हासिल करने का दावा किया है हालांकि नतीजे अगले कुछ दिन तक आने की उम्मीद नहीं है। उत्तर अफ्रीकी देश में चुनाव खत्म होने के 24 घंटे से भी कम समय में रविवार को मूवमेंट फॉर ए पीसफुल सोसाइटी के प्रमुख अब्देरजाक मकरी ने कहा कि ''पार्टी कई क्षेत्रों और उससे बाहर भी बहुमत की ओर बढ़ रही है।'' पार्टी प्रमुख मकरी ने ''नतीजों को बदलने'' के लिए फर्जीवाड़ा के प्रयास के आरोपों की निंदा की।

हालांकि पार्टी ने यह नहीं बताया कि वह किस आधार पर जीत का दावा कर रही है। अल्जीरिया के चुनाव प्राधिकार के प्रमुख ने शनिवार को कहा कि संसदीय चुनाव के लिए मतदान निराशाजनक रहा, जिसमें 2.4 लाख योग्य मतदाताओं में से एक तिहाई से भी कम मतदाताओं ने भाग लिया। मतदाताओं की कम भागीदारी चुनाव प्रणाली में उनकी अरूचि, बरबर क्षेत्र में लंबे समय तक विरोध और लोकतंत्र समर्थक मुहिम द्वारा चुनाव के बहिष्कार को दर्शाती है, इसी मुहिम की वजह से देश के लंबे समय तक राष्ट्रपति रहे अब्देलअजीज बुतेफ्लिका को 2019 में इस्तीफा देना पड़ा था। चुनाव के लिए राष्ट्रीय स्वतंत्र प्राधिकरण के प्रमुख मोहम्मद चारफी ने बताया कि आधिकारिक रूप से नतीजे सामने आने में करीब चार दिन का समय लग सकता है। नयी प्रणाली के कारण 1,000 से अधिक निर्दलीय उम्मीदवारों के लिए चुनाव लड़ने का मार्ग प्रशस्त हुआ। राष्ट्रपति अब्देलमादजिद तेबुने ने 'नए अल्जीरिया' के निर्माण की अपनी मुहिम के तहत नए चुनावी नियम बनाये हैं जिसमें ईमानदार युवाओं, महिलाओं को प्रतिनिधित्व दिया गया है।

टोक्यो में सामूहिक टीकाकरण स्थल ने पुलिस को टीकाकरण कराने का ऑफर दिया

टोक्यो। जापान सरकार ने सोमवार को घोषणा की कि टोक्यो में बड़े पैमाने पर कोविड 19 टीकाकरण स्थल देश के टीकाकरण अभियान को गति देने के लिए बुजुर्गों के अलावा पुलिस, अग्निशमन, तटरक्षक बल के अधिकारियों का भी टीका करण करेगा। स्थानीय मीडिया ने रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी के हवाले से कहा कि वो इनोक्यूलेशन क्षमता का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए एक अस्थायी उपाय के रूप में आपदा प्रबंधन जैसे संकट प्रबंधन के प्रभारी अधिकारियों को लक्षित कर रहे हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने स्थानीय मीडिया रिपोर्टें का हवाला देते हुए कहा कि बड़े पैमाने पर, टोक्यो और ओसाका में राज्य द्वारा संचालित टीकाकरण स्थलों पर, टीकाकरण के योग्य बुजुर्ग लोगों के लिए कई स्लॉट खुले छोड़ दिए गए हैं। टोक्यो केंद्र प्रति दिन 10,000 जैब्स देने में सक्षम है, जबकि ओसाका में इसके समकक्ष 5,000 शॉट्स दे सकता है। शीर्ष सरकारी प्रवक्ता कात्सुनोबु काटो ने सोमवार को कहा कि बड़े पैमाने पर टीकाकरण स्थल पहले से मौजूद स्वास्थ्य स्थितियों के साथ 65 वर्ष से कम आयु के लोगों को टीकाकरण आरक्षण की अनुमति देना शुरू कर देंगे। स्थानीय रिपोटरें में कहा गया है कि एसडीएफ द्वारा संचालित जन टीकाकरण केंद्रों में 60 प्रतिशत से अधिक स्लॉट 27 जून तक खाली रखे गए हैं। इस बीच, कंपनियां और विश्वविद्यालय भी तेजी से टीकाकरण करने के लिए कमर कस रहे हैं। काटो ने कहा है कि नए टीकाकरण अभियान का उद्देश्य देश में टीकाकरण को गति देना और स्थानीय नगर पालिकाओं पर बोझ कम करने में मदद करना है। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल और विश्वविद्यालय यह तय करने के प्रभारी होंगे कि किसे टीका लगाया जाए, हालांकि सिफारिश की गई है कि बुजुर्गों और अंतर्निहित स्वास्थ्य स्थितियों वाले लोगों को प्राथमिकता दी जाए।

अफगानिस्तान में आईएस, अलकायदा पर दबाव बनाएगा अमेरिका

काबुल/वाशिंगटन (एजेंसी)।

यूएस सेंट्रल कमांड के कमांडर केनेथ मैकेंजी ने कहा है कि वाशिंगटन अफगानिस्तान में इस्लामिक स्टेट (आईएस) और अलकायदा आतंकी समूहों पर दबाव बनाए रखने की कोशिश करेगा। मीडिया ने इसकी जानकारी सोमवार को दी। टोलो न्यूज ने मिलिटी टाइम्स के साथ एक साक्षात्कार में मैकेंजी के हवाले से कहा, हम अभी भी अपने अति-क्षितिज स्थानों से आईएस और अल कायदा पर दबाव बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा, यह एक कार्य है जो मुझे दिया गया है। वे योजनाएं हैं जिन पर मैं अभी रक्षा सचिव के साथ चर्चा कर रहा हूं। हम इसे कैसे करेंगे, मैंने पहले ही कहा है कि यह करना बहुत मुश्किल काम होगा। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के बारे में चेतावनी दी गई थी कि तालिबान अफगानिस्तान पर नियंत्रण वापस लेने के लिए तैयार है। इसपर मैकेंजी ने कहा, हम अभी भी अफगान सेना का समर्थन करने का इरादा रखते हैं। हम अभी भी उन्हें धन के साथ समर्थन करने जा रहे हैं। हम अफगान वायु सेना का समर्थन करने के लिए बहुत कठिन प्रयास करने जा रहे हैं। कुछ चीजें देश से बाहर आ जाएंगी जिन पर काम किया जाएगा। मैं इसे कम से कम नहीं करना चाहता, क्योंकि मुझे लगता है कि उनका परीक्षण किया जा रहा है, लेकिन हम उनका समर्थन करना जारी रखेंगे, ठीक वैसे नहीं जैसे हम अभी उनका समर्थन कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या काबुल जैसे बड़े शहरों पर हावी होने का खतरा होने पर अमेरिका अफगान बलों को कोई मुकाबला सहायता प्रदान करेगा, मैकेंजी ने कहाः वे वास्तव में नीतिगत निर्णय हैं, सैन्य निर्णय नहीं। अभी हम जो करने की योजना बना रहे हैं। उसमें अल कायदा और आईएस पर दबाव बनाए रखना है, और यही वह होगा जो हम अफगानिस्तान में वापस जाकर करेंगे। शीर्ष अमेरिकी अधिकारी की टिप्पणी तब आई है जब तालिबान ने 1 मई को अफगानिस्तान में अमेरिका और अन्य नाटो सैनिकों की आधिकारिक वापसी के बाद से प्रांतीय राजधानियों, जिलों, ठिकानों और चौकियों पर हमले तेज कर दिए हैं।

न्यूजीलैंड सीमा पार करने वाले लोगों की संख्या बढ़ी

वेलिंगटन (एजेंसी)।

सांख्यिकी विभाग स्टैट्स न्यूजीलैंड ने सोमवार को कहा कि 19 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया के साथ दोतरफा क्वारंटीन मुक्त ट्रांस-तस्मान यात्रा बबल खुलने के बाद से न्यूजीलैंड की सीमा पार करने वालों की संख्या बढ़ गई है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, स्टैट्स न्यूजीलैंड के अनुसार, अप्रैल में 85,900 बॉर्डर क्रॉसिंग की गई थी, जिसमें 47,000 आगमन और 38,900 प्रस्थान शामिल थे। स्टैट्स न्यूजीलैंड ने कहा कि 2021 के पहले के महीनों की तुलना में कुल बॉर्डर क्रॉसिंग अच्छी तरह से थी, जो कि औसतन 26,300 बॉर्डर क्रॉसिंग हुई थी। जनसंख्या संकेतक प्रबंधक तहसीन इस्लाम ने एक बयान में कहा, इस वृद्धि के बावजूद, आगमन और प्रस्थान कोविड -19 से पहले के स्तरों की तुलना में काफी कम है, जब अप्रैल में सीमा पार 1.2 मिलियन तक सीमित थी। स्टैट्स न्यूजीलैंड के अनुसार, बॉर्डर क्रॉसिंग में सभी आगमन और प्रस्थान शामिल हैं, या तो छोटे समय की यात्राओं या लंबी अवधि के लिए और विदेशों में या न्यूजीलैंड में रहने वाले लोगों द्वारा किया गया है। उन्होंने कहा कि अप्रैल 2021 में ऑस्ट्रेलिया से आने और जाने के लिए 70,000 से अधिक सीमा पार गए थे, जिसमें 39,900 आगमन और 30,200 प्रस्थान शामिल थे। इस्लाम ने कहा, ट्रांस-तस्मान यात्रा ने अप्रैल 2021 में सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रा का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा पूरा किया। न्यूजीलैंड के नागरिकों ने ऑस्ट्रेलिया से लगभग 60 प्रतिशत आगमन और ऑस्ट्रेलिया में 67 प्रतिशत प्रस्थान का प्रतिनिधित्व किया। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच क्वारंटीन-मुक्त यात्रा की शुरूआत के साथ, यात्रा करने वाले लोगों का मुख्य कारण परिवार और दोस्तों से मिलना था।

भारत के राजदूत संधू ने फिलाडेल्फिया में दवा कम्पनियों के अधिकारियों से की मुलाकात

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने फिलाडेल्फिया के मेयर और प्रमुख दवा कम्पनियों के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस मुलाकात के दौरान मेयर ने पिछले साल 18 लाख एन-95 मास्क भेजने के लिए भारत की सराहना भी की। संधू 11 जून को दो दिवसीय दौर पर फिलाडेल्फिया पहुंचे थे। कोविड-19 संकट के दौरान यह उनका पहला फिलाडेल्फिया दौरा है। संधू ने ट्वीट किया कि फिलाडेल्फिया के मेयर जिम एफ केनी के '' साथ मुलाकात कर दिन की शुरुआत की।'' बैठक के दौरान केनी ने 2020 में 18 लाख एन-95 मास्क फिलाडेल्फिया भेजने के लिए भारत का शुक्रिया किया।

सितम्बर 2020 में मेयर ने भारत से मदद मांगी थी। भारतीय दूतावास ने अनुरोध पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 18 लाख मास्क भेजे थे, जो फिलाडेल्फिया को पांच अक्टूबर 2020 को मिले थे। बैठक के दौरान संधू और केनी ने अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य प्रणाली, शिक्षा और प्रवासियों से जुड़े मुद्दे पर बातचीत की। उन्होंने चिकित्सा विज्ञान सहित स्वास्थ्य सहयोग के भविष्य पर भी चर्चा की। मेयर, फिलाडेल्फिया और भारत के बीच हवाई सम्पर्क बढ़ाने को भी इच्छुक दिखे। विद्युत गतिशीलता सहित अन्य पहलों पर सहयोग करने की क्षमताओं पर भी चर्चा हुई। संधू ने एक अन्य ट्वीट में कहा, '' आर्थिक, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा संबंधों से लेकर प्रवासियों तक, भारत इस ऐतिहासिक शहर के साथ साझेदारी को महत्व देता है।''

संधू ने फिलाडेल्फिया में 'अकुजेन' के केन्द्रों और 'जुबिलेंट फार्मा' के कार्यालय का दौरा भी किया। पेनसिल्वेनिया के यार्डली स्थित 'जुबिलेंट फार्मा', भारत के उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित 'जुबिलेंट लाइफ साइंसेज लिमिटेड' की सहायक कम्पनी है। 'अकुजन इंक' एक बायोफर्मास्यूटिकल कम्पनी है जो दुर्लभ आंखों की बीमारियों के इलाज के लिए 'जीन थेरेपी' की खोज कर रही है और कोविड-19 रोधी टीके का निर्माण कर रही है। भारतीय दवा कम्पनियों के अमेरिका के सार्वजनिक स्वास्थ्य के विस्तार में अहम भूमिका निभाने की बात को ध्यान में रखते हुए उन्होंने ट्वीट किया, '' जुबिलेंट फार्मा के अधिकारियों के साथ फिलाडेल्फिया में अच्छी बातचीत हुई। उनकी महत्वपूर्ण दवाइयां वैश्विक महामारी से निपटने में काफी कारगार साबित हुई हैं।'' वहीं, 'अकुजेन' के सीईओ शंकर मुसुनूरी तथा बोर्ड के अन्य सदस्यों ने संधू को बताया कि उनकी एफडीए के साथ कोविड-19 रोधी टीके 'कोवैक्सीन' को अमेरिकी बाजार में लाने और उसके विपणन को लेकर बातचीत जारी है।

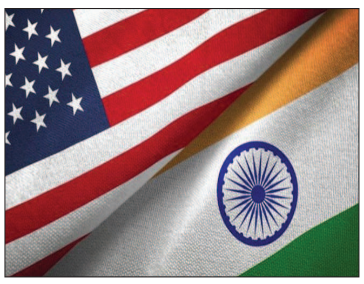

संधू ने ट्वीट किया, '' भारत और अमेरिका की स्वास्थ्य देखभाल साझेदारी लगातार बढ़ रही है। फिलाडेल्फिया में 'अकुजेन' के केन्द्रों का दौरा किया और उसके बोर्ड के सदस्यों से मुलाकात की। 'कोवैक्सीन' को अमेरिका में लाने पर चर्चा हुई।'' संधू ने पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय में 'सेंटर फॉर द एडवांस्ड स्टडी ऑफ इंडिया' के निदेशक एवं प्रोफेसर तारिक थाचिल से भी मुलाकात की।

CMYK

संपादकीय

आफत में राहत

ऐसे वक्त में जब कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर उतार पर है, अब जाकर केंद्र सरकार ने कोरोना उपचार में काम आने वाले उपकरणों व दवाओं पर जीएसटी दरों को घटाया है। यह छूट सितंबर माह तक ही रहेगी। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई जीएसटी परिषद की 44 वीं बैठक में यह निर्णय लिया गया। जीएसटी दरों को आवश्यकता अनुसार अलग-अलग ढंग से घटाया गया। परिषद ने कोविड वैक्सीन पर जीएसटी दर पांच फीसदी रखने का निर्णय लिया। वहीं एम्बुलेंस पर जीएसटी दर 28 फीसदी से घटाकर बारह फीसदी कर दी गई। कोरोना संक्रमण में काम आने वाली कुछ दवाओं मसलन रेमडेसिविर पर जीएसटी दर बारह फीसदी से पांच फीसदी कर दी गई। अन्य उपकरणों मसलन मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, जनरेटर, वेंटिलेटर, वेंटिलेटर मास्क आदि की दर बारह फीसदी से पांच फीसदी कर दी गई। इसके अतिरिक्त कोविड टेस्टिंग किट, पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर व डायग्नॉस्टिक किट पर भी यह दर बारह से घटाकर पांच फीसदी कर दी गई। वहीं विद्युत शवदाहगृह की जीएसटी घटाकर पांच फीसदी कर दी गई है। दूसरी ओर देश में ब्लैक फंगस का प्रकोप देखते हुए इसके उपचार में काम आने वाली दवाओं पर जीएसटी दर शून्य कर दी गई है। ये दरें इसी हफ्ते लागू हो जायेंगी। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण कह रही हैं कि केंद्र वैक्सीन खरीद रही है और लोगों को मुफ्त मुहैया करायी जायेगी। लेकिन आम राय है कि महामारी के दौर में वैक्सीन को जीएसटी से मुक्त किया जाता। जीएसटी के चलते निजी अस्पतालों में वैक्सीन लगाने वालों को ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी। निस्संदेह निजी अस्पताल जीएसटी का बोझ टीका लेने वालों पर डाल देंगे। ऐसे में जब देश को तेज टीकाकरण की जरूरत है, टीकाकरण को इस महामारी से बचने और देश की स्थिति सामान्य बनाने का अंतिम उपाय बताया जा रहा है तो वैक्सीन को पूरी तरह जीएसटी से मुक्त किया जाना चाहिए। कुछ मध्यमवर्गीय लोग भी भीड़-भाड़ में संक्रमण के भय और सरकारी अस्पतालों की लंबी प्रतीक्षा सूची के चलते निजी अस्पतालों को टीकाकरण हेतु प्राथमिकता दे सकते हैं। उन पर भी जीएसटी का भार पड़ेगा। वैसे भी सरकार ने ये कदम देर से उठाये हैं। ऐसे हालात में जब देश में तीसरी लहर की बात की जा रही है, कुछ और जरूरी चिकित्सा उपकरणों व कोविड रोधी दवाओं को जीएसटी से छूट देने की जरूरत थी। जिससे देश में मजबूत चिकित्सा ढांचा बनाने में मदद मिलती। खासकर हमारे ग्रामीण इलाकों में चिकित्सा तंत्र में आमूलचूल परिवर्तन की जरूरत है। सरकार को विद्युत शवदाह गृहों को भी जीएसटी से मुक्त करना चाहिए था। दूसरी लहर में जिस तरह लकड़ी का संकट पैदा हुआ और लोगों ने जैसे मजबूरी में शवों को नदियों में बहाया तथा तटों पर दफन किया, उसे देखते हुए देश में विद्युत शवदाह गृहों की कमी को महसूस किया जा रहा है। सरकार को ऐसे फैसले लेते वक्त संवेदनशील व मानवीय दृष्टिकोण को तरजीह देनी चाहिए।

‘आज के ट्वीट

आम

चीन और अमेरिका ने ठुकराई पाकिस्तान की 'मैंगो डिप्लोमेसी', वापस लौटाए तोहफे में भेजे गए आम

- अर्णव गोस्वामी

किन-किन भगोड़ों को लाना है वापस

आर.के. सिन्हा

पीएनबी घोटाले का मास्टरमाइंड मेहुल चोकसी को एंटीगुआ से भारत वापस लाकर जेल की सलाखों के पीछे भेजने की कवायद तो जारी है। इसने हजारों करोड़ रुपए के घोटाले किए हैं। लग तो यही रहा है कि उसे देर-सवेर भारत आना ही होगा। वह कानून के लंबे हाथों से बच नहीं सकता है। खासकर वर्तमान समय के मोदी सरकार के काल में ‍ढ्ढ सरकारी एजेंसियों को देश के दुश्मन कुछ और भगोड़ों पर भी नजर रखनी होगी। वे देश में बड़े अपराध करके अलग-अलग देशों में रह रहे हैं। विवादित इस्लामिक धर्मगुरु जाकिर नाइक की वापसी के लिए भी भारत सरकार गंभीर है। सरकार ने मलेशिया सरकार से उसे भारत वापस भेजने को लेकर बात भी की है। जाकिर नाइक अभी मलेशिया में है। भारत का विदेश मंत्रालय उसे मलेशिया से वापस लाने की भरसक कोशिशें कर भी रहा है। वह मलेशिया में रहकर लगातार भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ जहर उगलता रहा है। लेकिन, अब उसके वहां पर बहुत लंबे समय तक रहने की संभावना न के बराबर है ढ्ढ क्योंकि, मलेशिया के प्रधानमंत्री पद से महातिर मोहम्मद हट चुके हैं। यह दुनिया जानती है कि महातिर का जाकिर नाइक को सीधा संरक्षण हासिल था। नाइक पर भारत में देशद्रोह का भी केस चल रहा है। उस पर जैसे ही देशद्रोह का केस दर्ज हुआ तो वह देश से भाग गया। वह सच में बेहद जहरीला किस्म का शख्स है। वह देश में हिन्दुओं और मुसलमानों में आपसी वामनस्य पैदा करने की कोशिश कर रहा था। उसे हिन्दुओं से सख्त नफरत है। वह मलेशिया में बैठकर पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में बनने वाले एक मंदिर निर्माण का विरोध भी कर रहा था। इन सारे तथ्यों को देखते हुए जाकिर नाइक को तो तुरंत भारत लाना ही होगा। सरकार कानूनन उसकी मुंबई और दूसरे शहरों की अचल संपतियों को अपने कब्जे में भी ले सकती है। इसी तरह संगीत निर्देशक नदीम सैफी को भी भारत लाना होगा। उस पर आरोप है कि उसका मुंबई में 12 अगस्त 1997 को म्यूजिक कैसेट कंपनी टी-सीरिज के मालिक गुलशन कुमार की हत्या के षड्यंत्र में हाथ था । उसका नाम जैसे ही गुलशन कुमार की हत्या के अनुसन्धान में आया तो वह ब्रिटेन भाग गया। मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर राकेश मारिया ने अपनी किताब ‘लेट मी से इट नाउ’ में लिखा है कि मुंबई पुलिस को गुलशन कुमार की हत्या के प्लान की जानकारी थी। उनके पास 22 अप्रैल 1997 को एक फोन आया। फोन करने वाले शख्स ने बताया कि गुलशन कुमार की हत्या का प्लान बनाया गया है। ये पूछने पर कि इसके पीछे कौन है, उसने बताया- अबू सलेम। उसने यह भी बताया था कि शिव मंदिर जाते वक्त उनकी हत्या की जाएगी। गुलशन कुमार के पिता की करोलबाग दिल्ली में जूस की दुकान थी। कैसेट किंग के नाम से मशहूर टी सीरीज कंपनी के मालिक गुलशन कुमार की कहानी जीरो से हीरो की थी। उन्होंने 80 के दशक में टी सीरीज की स्थापना की और 90 के दशक तक कैसेट किंग बन गए। टी सीरीज सैकड़ों करोड़ों की कंपनी बन चुकी थी। गुलशन कुमार की हत्या में दाऊद इब्राहिम और अबू सलेम का नाम भी लिया जाता है। इनसे नदीम के साथ गहरे संबंध थे। दाऊद इब्राहिम ने गुलशन कुमार से 10 करोड़ की फिरौती मांगी थी। गुलशन कुमार ने ये रकम देने से मना कर दिया था। तब उनकी हत्या करवाई गई। दाऊद इब्राहिम तो 1992 में मुंबई धमाकों का मुख्य गुनाहगार भी है। पाकिस्तान में बसने से पहले दाऊद इब्राहिम दुबई में अपना काला कारोबार चला रहा था। हो यह रहा है कि भारत में अपराध करने के बाद कथित सफेदपोश से लेकर शातिर अपराधी देश से बाहर निकल लेते हैं। इस तरह के भगोड़ों का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मसले पर नाराजगी जताते हुए कुछ साल पहले केंद्र सरकार को कहा था- आजकल कोई भी भारत से भाग जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि ऐसे लोगों को कार्यवाही के लिए विदेश से जल्द भारत लाया जाना चाहिए। जस्टिस जी एस केहर और जस्टिस अरुण मिश्रा ने इस बात को लेकर चिंता व्यक्त की कि लोग आसानी से देश छोड़कर भाग जाते हैं। केंद्र को न्याय के लिए उन लोगों को वापस लाना चाहिए। मेहुल चोकसी के साथ-साथ दाऊद इब्राहिम, जाकिर नाइक, विजय माल्या, ललित मोदी जैसे अपराधियों को देश वापस लाने की कार्यवाही को गति देनी होगी। इन भगोड़ों को पकड़ना जरूरी इसलिए भी है ताकि देश के अन्दर यह सख्त संदेश जाए कि कानून चाहे तो किसी को भी कहीं से भी पकड़ सकता है। भारत ने लगभग 40 देशों के साथ प्रत्यर्पण संधि की है और आठ देशों के साथ प्रत्यर्पण समझौता किया है। भारत ने परस्पर कानून सहयोग समझौता भी 39 देशों के साथ किया है। ऐसे समझौते में शामिल देश वांछित अपराधी पर मुकदमा चलाने के लिए एक-दूसरे के साथ कानूनी सहयोग करते हैं, जिसमें शरण देने वाले देश में मौजूद उस व्यक्ति की संपत्ति को जब्त करने का प्रावधान भी होता है। अब जरा ललित मोदी की बात कर लें। वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का अध्यक्ष था। उसपर घोटालों के आरोप लगे तो वह लंदन भाग गया। ललित मोदी उद्योगपति कृष्ण कुमार मोदी का बेटा है। कृष्ण कुमार चार हजार करोड़ रुपयों की कीमत वाले मोदी समूह के अध्यक्ष थे। ललित मोदी के दादा राजबहादुर गुजरमल मोदी ने मोदीनगर की स्थापना की थी। ललित मोदी अपने पिता की कुछ साल पहले हुई मौत के समय भी दिल्ली नहीं आया था। सरकार को इन सब भगोड़ों को वापस देश में लाना है। दाऊद इब्राहिम अब पाकिस्तान के कराची शहर में है। उसकी बेटी की शादी पाकिस्तान के मशहूर क्रिकेटर जावेद मियांदाद के बेटे से हुई है। यह बात तो सारी दुनिया जानती है। देखा जाए तो पाकिस्तान को चाहिए कि वह दाऊद इब्राहिम को सीधे-सीधे भारत को सौंप दे।

अगर पाकिस्तान इस तरह का कोई कदम उठाता है, तो इससे भारत-पाकिस्तान के बीच फिर से विश्वास का माहौल बनेगा। मेहुल चोकसी को भारत वापस लाने के क्रम में बाकी भगोड़ों को भी याद रखना जरूर होगा। उन्हें भी तो देश की जेलों में चक्की पिसवानी है।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

ज्ञान गंगा

ध्यान

आचार्य रजनीश ओशो/ अध्यात्म कभी तनावपूर्ण नहीं होता, अध्यात्म कभी भी तनावपूर्ण नहीं होता, ऐसा नहीं हो सकता। आध्यात्मिक तनाव होता ही नहीं, तनाव केवल शारीरिक होता है और मानसिक होता है। शारीरिक तनाव उन्होंने पैदा किए हैं, जिन्होंने धर्म के नाम पर सदैव ही शरीर-विरोधी उपदेश दिए हैं। पश्चिम में ईसाइयत स्पष्ट तौर पर शरीर के प्रति प्रबल विरोधी रही है। इन्होंने तुम्हारे और तुम्हारे शरीर के बीच एक झूठा अंतर और दरार पैदा की है, फिर तुम्हारा पूरा रवैया ही तनाव पैदा करने वाला बनता है। तुम तनाव रहित होकर भोजन नहीं कर सकते, निश्चिन्तता से सो नहीं सकते, शरीर का प्रत्येक कृत्य तनाव बन जाता है। शरीर शत्रु है, पर तुम इसके बिना जी नहीं सकते। तुम्हें इसके साथ ही रहना है, तुम्हें अपने शत्रु के साथ ही रहना है, इसलिए निरंतर तनाव है; तुम कभी रिलैक्स नहीं हो सकते। शरीर तुम्हारा शत्रु नहीं है, न ही वह किसी तरह तुम्हारा विरोधी है, यह तुम्हारे प्रति उपेक्षा से भी भरा नहीं है। शरीर के होने में ही आनंद है और जिस क्षण तुम शरीर को एक उपहार की तरह समझते हो-परमात्मा का उपहार, तब तुम शरीर में वापस लौटकर आ जाते हो। तब तुम इससे प्रेम करने लगोगे, तुम उसे महसूस करोगे-और उसे महसूस करने का ढंग बड़ा ही सूक्ष्म होता है। तुम तब तक किसी अन्य के शरीर को अनुभव नहीं कर सकते, जब तक तुमने अपने स्वयं के शरीर का अनुभव नहीं किया। तुम किसी अन्य के शरीर को प्रेम भी नहीं कर सकते, जब तक तुमने अपने शरीर को ही प्रेम नहीं किया, यह असंभव है। तुम तब तक किसी अन्य के शरीर का ध्यान नहीं रख सकते, जब तक तुमने अपने शरीर का ध्यान नहीं रखा-और कोई भी ध्यान नहीं रखता। तुम कह सकते हो कि तुम रखते हो, पर मैं दृढ़तापूर्वक कहता हूं; कोई भी ध्यान नहीं रखता। अगर तुम ध्यान रखते हुए दिखते भी हो, तब भी तुम वास्तव में ध्यान नहीं रखते। तुम किसी अन्य कारण से ध्यान रखते हो-दूसरों की राय के कारण, किसी अन्य की आंखों में तुम अच्छे दिख सको इसलिए। तुम अपने शरीर का ध्यान स्वयं के लिए नहीं रखते। तुम अपने शरीर को प्रेम नहीं करते, यदि तुम इससे प्रेम नहीं कर सकते, तुम इसमें हो भी नहीं सकते। अपने शरीर को प्रेम करो और तब तुम ऐसा विश्रांत अनुभव करोगे जैसा तुमने पहले नहीं किया होगा। जहां प्रेम है, वहां विश्रांति है। अगर तुम किसी अन्य को प्रेम करते हो-अगर तुम्हारे और उसके बीच प्रेम है, तो प्रेम अपने साथ विश्रांति का संगीत लाता है।

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

सकारात्मक चेतना के विकास से सहजता

रेनू सैनी

इस समय भारत एक त्रासदीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। महामारी ने संपूर्ण व्यवस्था को चरमरा दिया है। लोगों का जीवन पहले जैसा नहीं रह गया है। यहां तक कि करोड़ों लोग एकदम से गरीबी के स्तर पर जा पहुंचे हैं। कोरोना की दूसरी लहर ने अधिकतर घरों में से किसी न किसी को अपनी चपेट में लिया है। कइयों के माता-पिता तो कइयों के बच्चों को कोरोना ने निगल लिया है। लेकिन मनुष्य प्रकृति का ऐसा प्राणी है जो समय के साथ-साथ हर परिस्थिति के अनुरूप स्वयं को ढाल लेता है। मगर कई बार दुख और शोक इतना अधिक होता है कि समय के साथ भी उनकी यादें धूमिल नहीं पड़ती। ऐसे में सामान्य जीवन जीने के लिए क्या करना चाहिए या फिर कौन-सा ऐसा तंत्र है, जिसके प्रयोग करने से व्यक्ति सामान्य हो सकता है। विपरीत परिस्थितियों से बाहर निकलने का एक बेहद सशक्त मार्ग है मार्गदर्शक तंत्र। मार्गदर्शक तंत्र से अभिप्राय है कि हमारे परिवेश का तंत्र जो हमारे व्यवहार को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है। इसलिए यदि हमें अपने जीवन में किसी चीज को बदलना है तो सीधे उसे बदलने की बजाय उस तंत्र को बदल लें जहां से वह चीज प्राप्त होती है। ऐसा करने से कुछ समय बाद हमारा व्यवहार और स्थिति दोनों ही बदल जाएंगी। अगर आप मांसाहार नहीं खाना चाहते तो इसे खरीदे ही नहीं। जब आप इसे खरीदेंगे ही नहीं तो निश्चित ही इसका सेवन भी नहीं कर पाएंगे। यदि आपके अपने इस समय बिछुड़ गए हैं, उनके रोजगार छिन गए हैं और दिन-रात आप उन्हीं बातों को याद करते रहेंगे तो परिस्थितियों को संभालना बेहद कठिन हो जाएगा। इसलिए मार्गदर्शक तंत्र के जरिए इन घटनाओं से बाहर आने का प्रयास करें। आपके अपने जो खो गए हैं, बहुत बड़ा दुख है। लेकिन समय की धारा बहती रहती है। इस धारा के साथ आप भी आगे बढ़ते रहें। इच्छाशक्ति पर नियंत्रण करना उस समय मुश्किल होता है जब हम बिखरे परिवेश, टूटी आशा को बार-बार याद करते हैं। इसलिए बिखरे परिवेश और टूटी आशा के बजाय नई किरण के द्वार पर दस्तक दें। नई रश्मियां जीवन में प्रकाश लेकर आएंगी और जिंदगी को एक नए सिरे से सजाएंगी। आपको लग रहा होगा कि बड़ी त्रासदी से गुजर कर संभलना इतना सहज होता तो बात ही क्या होती? रह-रह कर उन लोगों की यादें विचलित कर देती हैं। रात आंखों-आंखों में निकल जाती है। पलक झपकती नहीं, नींद आती नहीं और सुबह की लालिमा उठने का संकेत दे देती है। इसी तरह रोजगार छिन जाने से फाके पड़ने की नौबत आ गई है। जाने किस पल क्या हो जाए, इसकी आहट मन को बेहद विकल कर देती है। लेकिन त्रासदी के दौर से जितनी जल्दी निकला जा सके, उतनी ही जल्दी जिंदगी को पटरी पर लाने में सहजता रहती है। अगर लगातार नकारात्मक बातों एवं घटनाओं को याद किया जाता रहेगा तो धीरे-धीरे स्वस्थ शरीर और मन दोनों ही बीमार हो जाएंगे। सब कुछ बिखरने के बाद स्वयं को सहेजना ही होता है। यही जीवन की गति है और यही परिवर्तन है। होमर की ओडिसी में ओडिसियस और उनके जहाजी जलपरियों के टापू के पार जहाज निकालने की तैयारी करते हैं। ये जलपरियां इतना मीठा गाती थीं कि अनभिज्ञ जहाज़ी अपने होशोहवास खो बैठते थे और जहाज़ चट्टानों से टकरा जाता था। ओडिसियस ने जलपरियों के प्रलोभन का प्रतिरोध करने के लिए इच्छाशक्ति पर विश्वास नहीं किया। इसके बजाय उन्होंने मार्गदर्शक तंत्र का सहारा लिया और अपने उस परिवेश को ही बदल लिया, जिस कारण ऐसी दुर्घटनाएं होती थीं। उन्होंने जहाज़ पर बैठे लोगों के कान बंद कर दिए और खुद को जहाज़ के मस्तूल से बांध दिया। इस कारण उनके ऊपर जलपरियों के जादू का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। न ही उनकी मधुर ध्वनि उनके कानों में पड़ी और न ही वे भावनाओं में बहे। इस कारण वे सुरक्षित अपने नगर तक पहुंच गए। मार्गदर्शक तंत्र के माध्यम से अपने आसपास के परिवेश को बदल देने से व्यवहार धीरे-धीरे स्वयं बदल जाता है। अपने मार्गदर्शक तंत्र को मजबूत बनाने के लिए आप निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें ः - स्वयं को अधिक से अधिक व्यस्त रखें। जब व्यक्ति व्यस्त रहता है तो उसके मस्तिष्क में नकारात्मक भावों को स्थान बनाने का अवसर नहीं मिल पाता। ऐसी स्थिति में मस्तिष्क स्वस्थ रहता है और नए कार्यों के लिए स्वयं को शीघ्रता से तैयार कर लेता है। अपने आसपास के लोगों से महामारी में घटित नकारात्मक बातों के बजाय नई योजनाओं और नए विकल्पों पर बात करें। जहां तक हो सके अपने आसपास सकारात्मक परिवेश बनाए रखें। सकारात्मक पुस्तकें पढ़ें और सकारात्मक वीडियो देखें व सुनें। बच्चों के साथ समय बिताएं एवं खेलें। इन सबको नियमित करने से मार्गदर्शक तंत्र मजबूत होता है और व्यक्ति हर नकारात्मक बिंदु एवं प्रतिकूल परिस्थिति पर विजय प्राप्त कर लेता है।

सुकून और सुंदरता का एक ही नाम सफेद

- विज्ञान ने भी साबित किया है कि गर्मियों में हल्के सुहाने रंग राहत और सुकून पहुंचाते हैं। और यदि तेज, चुभती धूप में कपड़ों का रंग सफेद हो तो... ये बिल्कुल जादू की तरह काम करता है। देखकर सुकून का आभास होता है।
- सफेद लिबास के साथ अवचेतन में इतनी शुभ्रता, शुचिता, सुकून के अहसास जुड़े हैं कि सफेद गाउन में सजी कोई युवती पहली नजर में परियों-सी लगती है। हम जब भी खूबसूरती, मासूमियत और अलौकिकता की साझी कल्पना करते हैं तो दिलो-दिमाग में सफेद वस्त्रों में सजी परियां थिरक उठती हैं। बहरहाल, जिन देशों में मार्च के कदम रखते ही गर्मी भी दस्तक देने लगती है, वहां चिलचिलाती धूप और बेचैन करने वाली तपिश के दिनों में फैशन और सुकून का एक ही रंग दिखता है, सफेद।
- साल 2012 का प्रतिनिधि रंग कोई भी हो, दहलीज पर गर्मी के कदम पड़ते ही सफेद रंग की हुकूमत चारों तरफ दिखाई देने लगती है। यह महज संयोग नहीं है कि हर साल स्प्रिंग कलेक्शन यानी बसंत ऋतु में होने वाले फैशन सप्ताहों में सफेद रंग की बादशाहत दिखती है। गर्मियों में हल्का-फुल्का, ढीला-ढाला और कैजुअल कुछ भी पहन सकते हैं। चाहे बीच पार्टियां हों, चाहे किसी के जन्मदिन की पार्टी- सफेद हर जगह शानदार लगता है, गरिमामय लगता है। सफेद लिबास के साथ एक और सुविधा है। आप कई तरह की एक्सेसरीज पहन सकते हैं। बहुत कम ऐसे मौसम होते हैं जिनका कोई प्रतिनिधि रंग हो, लेकिन गर्मी का अपना प्रतिनिधि रंग है, सफेद। इन दिनों भड़कीले या बहुत धुंधले (डल) रंग न दिल को भाते हैं न आंखों को। सिर्फ अपने तन में ही नहीं, दूसरों पर भी इन दिनों सफेद रंग के कपड़े अच्छे लगते हैं।
- लड़कियों में सफेद कुर्ते, सफेद टॉप, सफेद गाउन कुछ इस तरह खिलते हैं, जैसे वाकई ये उजली-उजली परियां हों। एक फायदे की बात यह है कि आज सफेद रंग में हर तरह की एक्सेसरीज आसानी से मैच करती है।
- आप सफेद टॉप के साथ नीली जींस का क्लासिक कॉम्बिनेशन इस्तेमाल कर सकते हैं तो आमतौर पर काले को छोड़कर (...और वो भी इसलिए, क्योंकि काला रंग रोशनी को सोखता है, इसलिए इन दिनों बेचैन करता है) कोई भी रंग सफेद के साथ मैच कर जाता है यानी सफेद के साथ कॉम्बिनेशन बनाने में आपको कतई परेशान होने की जरूरत नहीं पड़ती है।
- इसकी रसायनिक विशिष्टता तो यह है कि यह आंखों का सुकून और दिल को ठंडक पहुंचाता है। यह हमारी तमाम उग्रता को ठंडा कर देता है।
- सफेद महज रंग नहीं है, यह पूरी संस्कृति है। यह एक पूरी सभ्यता है इसलिए सफेद रंग जितना चिलचिलाती गर्मी से सुकून देता है, वैसे ही बेचैन करने वाली भावनाओं के मामले में भी सुकून पहुंचाता है। यही कारण है कि दुनियाभर में बच्चों की मासूमियत को उभारने के लिए उन्हें उसके साथ जोड़कर देखने के लिए ज्यादातर स्कूलों की यूनीफॉर्म सफेद होती है।
- सफेद रंग शांति और शुद्धता का प्रतीक है। जब फिजा में आतिशी हवा के झोंके हों, कपड़े बेचैन करते हों, भला उस समय भड़कीले रंग किसे अच्छे लगते हैं यही वजह है कि पश्चिम से लेकर पूरब तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक गर्मियों में सफेद लिबास का जलवा दिखता है।
- डॉक्टर सफेद कोट पहनते हैं, क्योंकि वे यह बताना चाहते हैं कि यह रंग ईमानदारी, पवित्रता और ईश्वरीयता का प्रतिनिधि है।
- सफेद रंग के साथ कई फायदे हैं- भावनात्मक, कुदरती और सामाजिक भी। इसकी सामाजिकता में भी समरसता है। यही कारण है कि सफेद रंग सबको भाता है, सब पर फबता है चाहे सेलिब्रिटीज पहन लें या फिर कोई आम आदमी। सबको यह रंग आकर्षित करता और सब पर यह रंग आकर्षक लगता है। ऐसा नहीं है कि हम सफेद कपड़े कभी भी पहन सकते हैं।
- वाकई सफेद सदाबहार रंग है और इसके इतने विस्तृत आयाम हैं कि अगर आपने कई जोड़ी यानी जरूरत से ज्यादा भी इन दिनों सफेद कपड़े खरीद लिए हैं तो आपको सर्दियों के कपड़ों की तरह संदूक में साल के बाकी महीनों के लिए नहीं रखने पड़ेंगे। आप इन्हें लगातार पहन भी सकते/ सकती हैं। सफेद रंग के साथ आप अपनी चाहतों के सभी रंगों की एक्सेसरीज पहन सकती हैं। सफेद रंग कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता है। यह हमेशा खूबसूरत और ट्रेंडी लगता है।
- गर्मियों में सफेद टी-शर्ट और टॉप के जलवे देखते ही बनते हैं। मर्लिन मुनरो आज भी चेतन-अवचेतन में अगर किसी परी की तरह कैद हैं तो उसी सफेद ड्रेस में। गर्मियों में तमाम सेलिब्रिटीज सफेद रंग में ही नजर आते हैं तो आप क्यों न नजर आएं। इसलिए अगर सीजन की खरीदारी करने के लिए निकलना है तो अपनी सूची में सफेद कपड़ों के लिए जगह बना लीजिए, आखिर इन गर्मियों में परियों की तरह जो लगना है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है, अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

कैसे शुरू करें बच्चों की

बेड टाइम ट्रेनिंग

आज की लाइफ स्टाइल पहले की लाइफ स्टाइल से बहुत अलग है। मोबाइल, टीवी, इंटरनेट ने हमारी जिंदगी में जितनी चीजें आसान बना दी है, उतना ही हम व्यस्त भी हो गए हैं। अगर आपके बच्चे का प्री-स्कूल जाने का समय आ गया है और उसका अभी भी रात में सोने का कोई निर्धारित समय नहीं है तो यह आपके लिए एक समस्या का कारण हो सकता है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है। अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

नींद पूरी न होने से बच्चे के मस्तिष्क का पूरा विकास नहीं हो पाता। क्या आप अपने बच्चे के स्कूल की शुरुआत ऐसे करना चाहेंगे? इसलिए शुरू से उसे बेड टाइम ट्रेनिंग की आदत डालनी चाहिए।

यह ठीक उसी तरह है जिस तरह हमारी मां हमें सोने से पहले अपनी लोरियां सुनाती थीं। आइए जानें कुछ ऐसी बातें जिससे हम अपने बच्चे को ट्रेंड कर सकते हैं बेड टाइम ट्रेनिंग के लिए-

1. बेड टाइम ट्रेनिंग आप 4 से 5 माह के बच्चे के साथ कर सकते हैं। शुरुआत में आपको थोड़ी समस्या जरूर होगी लेकिन बाद में यह बहुत मददगार साबित होगी। बच्चे को सुलाने से पहले आप उनकी हल्की-हल्की मालिश कीजिए। गुनगुने पानी से उनका मुंह-हाथ धोएं (स्पंज करना)।
2. उनके कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। एक समय पर कमरे की लाइट्स बंद कर दें। ऐसा करके आप उन्हें सिग्नल दे रहे हैं और बेड टाइम के लिए तैयार कर रहे हैं।
3. बच्चों को कोई गाना, सॉफ्ट म्यूजिक सुनाएं। लाइट बंद करने से पहले आप बच्चों को पिक्चर बुक्स भी दिखा सकती हैं। ऐसा करने से बच्चों को बुक्स पढ़ने की आदत पड़ती है।
4. सोने से पहले भगवान का कोई सा मंत्र भी सुना सकती हैं। कुछ बच्चों को अपना मनपसंद खिलौना लेकर सोना भी अच्छा लगता है। बच्चों को सोने से पहले सॉफ्ट म्यूजिक सुनना बहुत अच्छा लगता है और उसे सुनने से उनके दिमाग का विकास भी होता है इसीलिए तो बरसों से चलता आ रहा लोरी का एक अपना ही महत्व है।
5. छोटे बच्चे (6 माह से 1 साल के बीच) रात में दूध के लिए जरूर उठते हैं। धीरे-धीरे उसका भी एक समय बनाते जाएं जिससे बच्चा और आप दोनों अच्छे से अपनी नींद पूरी कर सकें।
6. जैसे-जैसे बच्चा धीरे-धीरे बड़ा होता है, आप उसे बेड में जाने से पहले मुंह-हाथ धुलाकर ब्रश करना सिखाएं। कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। सोने से पहले उन्हें दूध जरूर दें। उन्हें उनका मनपसंद खिलौना दें।
7. उन्हें किताब से कहानी सुनाएं। शुरुआत में तो बच्चे को टाइम देना आवश्यक है, लेकिन धीरे-धीरे बच्चे को जब इस टाइम टेबल की आदत हो जाएगी तो आपके और बच्चे दोनों के लिए ही बहुत लाभदायक होगा।
8. शाम को उसे कोई हॉबी क्लास या बगीचे में घूमने के लिए ले जाएं जिससे बच्चा अपना समय टीवी और लैपटॉप में न देकर खेले-कूदे और थक जाए। ऐसा करने से उसे नींद अच्छी आएगी और जल्दी आएगी।

कोशिश करें कि धीरे-धीरे उसे अपने आप टाइम से बेड पर जाने की आदत हो जाए ताकि आप भी अपने आपको कुछ समय दे सकें।

ऐसे करें अपने बच्चे को प्री-स्कूल भेजने की तैयारी

अपने बच्चे को प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी भेजना बहुत बड़ा कदम है और यह टेंशन भी पैदा करता है। यहां गाइड आपको बताएंगे कि आप क्या उमीद रखें, जब आप अपने बच्चे को पहली बार स्कूल लेकर जाएं।

1. अपने बच्चे से प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी के बारे में बात करें, उन्हें समझाने की कोशिश करें कि आप उसे अपने से दूर नहीं भेज रही है। उनसे उनके व्यहवार के बारे में बात करें और मूल बातें सिखाएं।
2. स्कूल के पहले दिन के लिए क्या-क्या आवश्यक है, इस बारे में पता करें- जैसे पढ़ने का समय, नाश्ते का समय आदि ताकि आप उन्हें समझा सकें कि स्कूल से वे क्या उम्मीद रखें।
3. स्कूल की जरूरत की चीजें खरीदने में मजा लाए जैसे आपके बच्चे के पसंदीदा कार्टून की पेंसिल खरिदें, अपने बजट का ध्यान रखें।
4. एक रात पहले उनसे पूछे कि स्कूल को लेकर उनके मन में क्या सवाल है?
5. उन्हें स्कूल छोडने जाएं और जब स्कूल खत्म हो तब स्कूल के बाहर उनका इंतजार करें।
6. अपने बच्चे की टीचर से हर रोज बातचीत करते रहे, उनसे समय-समय पर मिलकर बच्चे के बारे में जानकारी लें। इससे आपके बच्चे को स्कूल में नई सफलता मिलने लगेंगी। पता करें कि आप ऐसा क्या कर सकती है, जिससे आपके बच्चे और उसकी टीचर को मदद मिले।
7. अपने बच्चे से रोज पूछे कि उसने स्कूल में क्या किया? आपके बच्चे को पता होना चाहिए की स्कूल कितना जरूरी है।

लगभग 96 प्रतिशत महिलाएं दिन में एक बार किसी-न-किसी बात पर अपराध बोध महसूस करती हैं। वो कौन-सी बातें हैं, जिनके लिए हम खुद को दोषी ठहराती हैं और क्या है इस अपराध बोध से निकलने का तरीका।

पछताना छोड़ें खुश रहना सीखें

क्या दिन में कम-से-कम एक बार आप इस बात का अफसोस जताती हैं कि मेरा वजन जरूर बढ़ गया है या फिर आज फिर से घर की सफाई को अधूरा छोड़कर मैं ऑफिस आ गई। अगर इन सब सवालों का जवाब हां में है, तो घबराएं नहीं। अधिकांश महिलाओं का यह स्वभाव होता है। पर परेशानी की बात यह है कि हर चीज के लिए खुद को दोषी ठहराने की हमारी आदत धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित होती जाती है। हर बिगड़े हुए काम के लिए खुद को लगातार दोषी ठहराने की आपकी यह आदत आपको अवसाद के घेरे में भी ले सकती है। बेहतर तो यह होगा कि इन अवसादों से उबरने का तरीका आप सीख लें।

बच्चों के साथ वक्त नहीं बिता पाती

अधिकांश काम-काजी मां का यह मानना होता है कि वे ऑफिस की अपनी जिम्मेदारियों और बच्चों की जिम्मेदारी के बीच सही संतुलन नहीं बना पाई हैं। पर सवाल यह है कि ऑफिस में रहकर बच्चों को वक्त न दे पाने का अफसोस जताने से न तो बच्चों के साथ आप वक्त बिता पा रही हैं और न ही ऑफिस की जिम्मेदारियों को पूरा करने में आप अपना 100 प्रतिशत दे पाएंगी। इस समस्या का एकमात्र हल यह है कि आप जो भी काम वर्तमान में कर रही हैं, उसे अपना 100 प्रतिशत दें। अगर ऑफिस में हैं तो वहां की जिम्मेदारियां पूरी तन्मयता से पूरी करें और अगर घर पर हैं तो बच्चों को पूरा वक्त दें।

वजन कम ही नहीं कर पा रही

70 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं कभी-न-कभी डाइटिंग करती हैं, बावजूद इसके कि उन्हें वजन कम करने की जरूरत हो या नहीं। अगर आप वाकई स्लिम और खूबसूरत दिखना चाहती हैं तो इस दिशा में आपको गंभीर प्रयास करना होगा। नियमित एक्सरसाइज करें या फिर जिम जाने के लिए वक्त निकालें। साथ ही इस बात को स्वीकारें कि वजन कम करना या फिर बढ़ाना आप पर पूरी तरह से निर्भर करता है, इसलिए खुद को दोष देने की जगह इस दिशा में प्रयास करें।

शॉपिंग में कुछ ज्यादा ही पैसे खर्च कर दिए

हर महिला को शॉपिंग करने में मजा आता है, पर कई लोग ढेर सारे शॉपिंग बैग के साथ घर लौटने के बाद अपराध बोध से ग्रस्त हो जाते हैं। पर आपको यह समझना होगा कि जब परिवार के अन्य सदस्यों पर खर्च करने से आपको किसी तरह का अपराध बोध नहीं होता, तो फिर खुद पर खर्च करने के बाद पछतावा क्यों? दूसरी बात यह भी है कि अगर आप शॉपिंग के दौरान खरीदे गए सामानों पर गौर करेंगी, तो पाएंगी कि आप सिर्फ उन्हीं चीजों पर खर्च कर रही हैं, जिसकी आपको वाकई जरूरत है।

कभी टाइम पर नहीं पहुंच पाती

कभी-कभार, स्थिति ऐसी पैदा हो जाती है कि लाख कोशिशों के बावजूद हम वक्त पर नहीं पहुंच पाते हैं। कभी-कभी हमारी इमेज ही लेट-लतीफ वाली बन जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि हम अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। ऑटो या बस में बैठकर और जाम में घंटों फंसे रहकर इस बात का अफसोस करने से कोई फायदा नहीं है कि आप लेट पहुंचने वाली हैं। कभी-कभार अपनी गलती के बिना भी आप किसी मीटिंग में देर से पहुंच सकती हैं। ऐसी घटनाओं के लिए खुद को दोष देना बंद करें।

खुद के लिए वक्त नहीं मिलता

सुपर वुमेन बनने की चाहत या मजबूरी के चलते महिलाओं को अक्सर खुद के लिए ही वक्त नहीं मिलता। फिर धीरे-धीरे शुरू होता है इस बात का अफसोस कि अपनी मनपसंद किताब पढ़े सालों बीत गए या फिर पार्लर जाने के लिए वक्त ही नहीं मिलता। पर आपको इस बात को समझना होगा कि कभी-कभार कुछ ना करना भी जरूरी है ताकि आप शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान बन सकें।

रुपये में गिरावट आई

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपये में गिरावट आई है। कारोबार को कारोबार के अंत में रुपया 22 पैसे की गिरावट के साथ 73.29 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं अंतर बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 73.21 पर गिरावट के साथ खुला। कारोबार के दौरान इसमें 73.10 और 73.29 के बीच अंतर रहा। अंत में यह 22 पैसे की गिरावट के साथ 73.29 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं गत कारोबारी दिवस यह 73.07 पर बंद हुआ था। वहीं इस प्रकार पिछले पांच कारोबारी सत्रों के दौरान रुपये में 49 पैसे की गिरावट आयी है। इस बीच छह प्रमुख विदेशी मुद्राओं की तुलना में डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी घटकर 90.50 अंक रह गया।

ऑक्सीजन का उत्पादन बढ़ाने के लिए हनीवेल ने डीआरडीओ के साथ भागीदारी की

नयी दिल्ली, औद्योगिक प्रौद्योगिकी कंपनी हनीवेल ने कहा है कि वह रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान के साथ भागीदारी के जरिये मॉलिक्यूलर सीव एडसॉर्बेंट्स की आपूर्ति करेगी जिससे देश में मेडिकल ऑक्सीजन संयंत्रों की स्थापना की रफ्तार को तेज किया जा सके। कंपनी ने कहा कि उसने इटली में पूरी विनिर्माण लाइन को भारत में आपूर्ति के लिए खाली कर लिया है। डीआरडीओ के चेयरमैन तथा रक्षा शोध एवं विकास विभाग में सचिव जी सतीश रेड्डी ने कहा कि हनीवेल द्वारा जियोलाइट के एप्लिकेशन और आपूर्ति में काफी शानदार तरीके से सहयोग दिया जा रहा है। यह मेडिकल ऑक्सीजन संयंत्रों के लिए एक प्रमुख तत्व है।

ओवरसीज बैंक का चौथी तिमाही का शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक हुआ

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) का बीते वित्त वर्ष की मार्च में समाप्त चौथी तिमाही का शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 349.77 करोड़ रुपये हो गया। इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक ने 143.79 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बैंक ने कहा कि आलोच्य तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 6,073.80 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 5,484.06 करोड़ रुपये रही थी। समीक्षाधीन तिमाही में बैंक का डूबे कर्ज के लिए प्रावधान और अन्य आकस्मिक खर्च बढ़कर 1,380.46 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,060.38 करोड़ रुपये था। पूरे वित्त वर्ष 2020-21 में बैंक का शुद्ध लाभ 831.47 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष 2019-20 में बैंक को 8,527.40 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। वित्त वर्ष के दौरान बैंक की कुल आय बढ़कर 22,524.55 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 20,712.48 करोड़ रुपये रही थी। आईओबी की संपत्ति की गुणवत्ता में इस दौरान सुधार हुआ। 31 मार्च, 2021 को बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) घटकर 11.69 प्रतिशत रह गईं, जो एक साल पहले 14.78 प्रतिशत पर थीं। इस दौरान बैंक का शुद्ध एनपीए भी 5.44 प्रतिशत से घटकर 3.58 प्रतिशत रह गया।

महामारी की वजह से ज्यादातर लोगों को अगले 6 माह में अपनी आय घटने की आशंका: सर्वे

बिजनेस डेस्क:

भारत में कोरोना वायरस महामारी की शुरुआत से उपभोक्ताओं में काफी बेचैनी है। ऐसे लोग जो अधिक समृद्ध नहीं हैं, वे आर्थिक परिदृश्य को लेकर अधिक संशय की स्थिति में हैं। एक ताजा अध्ययन में कहा गया है कि ज्यादातर उपभोक्ताओं का मानना हे कि अगले छह माह के दौरान उनकी आमदनी कोविड-पूर्व के स्तर से कम होगी। वैश्विक प्रबंधन सलाहकार कंपनी बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) द्वारा यह सर्वे 23 से 28 मई के दौरान किया गया। इसमें पहली, दूसरी, तीसरी और चौथी श्रेणी के शहरों तथा ग्रामीण भारत के 4,000 उपभोक्ताओं के विचार लिए गए। अध्ययन में शामिल 51 प्रतिशत उपभोक्ताओं का मानना है कि अगले छह माह के दौरान उनका खर्च निचले स्तर पर रहेगा। इससे पहले 20 जुलाई से दो अगस्त, 2020 के दौरान किए गए सर्वे में ऐसा कहने वाले उपभोक्ताओं की संख्या 40 प्रतिशत थी। सर्वे में शामिल 83 प्रतिशत लोगों का कहना था कि कोरोना वायरस उनकी नौकरी और कारोबार के लिए बड़ा जोखिम है।

वहीं 86 प्रतिशत ने कहा कि महामारी की वजह से आर्थिक मंदी की स्थिति बनेगी। जहां तक आमदनी की बात है, 58 प्रतिशत लोगों का कहना था कि अगले छह माह के दौरान उनकी आय में गिरावट आएगी। सर्वे में कहा गया है कि कम समृद्ध लोग आर्थिक परिदृश्य लेकर काफी संशय की स्थिति में थे। शहरी और समृद्ध लोगों की दैनिक जीवनशैली पर महामारी का प्रभाव अधिक नजर आ रहा है। बीसीजी इंडिया की प्रबंध निदेशक एवं भागीदार निमिषा जैन ने कहा, 'निश्चित रूप से लोगों में अनिश्चितता की स्थिति है, लेकिन सर्वे के दौरान कई सकारात्मक चीजें भी देखने को मिलीं।' जैन ने कहा, 'विभिन्न श्रेणियों में खर्च को लेकर धारणा समान तरीके से प्रभावित नहीं हुई है। आवश्यक खर्च, स्वास्थ्य, घर में मनोरंजन पर लोग खर्च करेंगे। हालांकि, कुछ विवेकाधीन खर्चों को लोग कम करेंगे।'

ई-कॉमर्स से थोक खरीदारी करने वाले किराना दुकानदारों की संख्या तेजी से बढ़ी: फ्लिपकार्ट होलसेल

नयी दिल्ली, फ्लिपकार्ट के थोक कारोबार फ्लिपकार्ट होलसेल ने सोमवार को कहा कि ई-कॉमर्स के जरिए थोक खरीदारी करने वाले किराना दुकानदारों की संख्या तेजी से बढ़ी है। कंपनी ने एक बयान में कहा, ''जनवरी 2021 से जून 2021 के बीच बैस्ट प्राइस कैश-एंड-कैरी सदस्यों ने तीन गुना तेजी से ई-कॉमर्स को अपनाया, जिनमें से अधिकांश छोटे किराना दुकानदार हैं।'' फ्लिपकार्ट होलसेल ने कहा कि किराना कारोबारियों को आपूर्ति के वक्त डिजिटल भुगतान या नकद भुगतान जैसी जैसी सुविधाएं दी गईं, ताकि वे अपनी परिचालन लागत को बेहतर ढंग से संभाल सकें। बयान के मुताबिक फ्लिपकार्ट होलसेल और बैस्ट प्राइस कैश-एंड-कैरी मिलकर देश में 15 लाख से अधिक सदस्यों को सेवाएं दे रहे हैं, जिनमें किराना, होटल, रेस्टोरेंट के साथ ही दफ्तर व अन्य संस्थान शामिल हैं। बैस्ट प्राइस कैश-एंड-कैरी ने जनवरी 2021 से जून 2021 के बीच टियर-2 और टियर-3 शहरों में ईकॉमर्स अपनाने की दर में 3 गुना वृद्धि दर्ज की है।

पेटीएम ने ऐप पर टीके के लिए स्लॉट बुक करने की सुविधा शुरू की

नयी दिल्ली, वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी पेटीएम ने सोमवार को कहा कि उसके उपयोगकर्ता अब उसके ऐप पर टीके के लिए उपलब्ध स्लॉट तलाशने के अलावा टीका लगवाने के लिए स्लॉट बुक भी कर सकते हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा, पेटीएम उपयोगकर्ता अब पेटीएम ऐप के जरिए अपने सबसे करीबी केंद्रों में टीके के लिए स्लॉट तलाश और बुक भी कर सकते हैं। इस सेवा से भारतीयों को टीका लगवाने और प्रतिरोधक क्षमता हासिल करने के लिए आसानी से स्लॉट बुक करने में मदद मिलेगी। इससे मौजूदा महामारी के खिलाफ लड़ने में सहयोग होगा। कोविन के प्रमुख आर एस शर्मा ने हाल ही में कहा था कि पेटीएम, मेकमाईट्रिप और इंफोसिस जैसी प्रमुख डिजिटल कंपनियों सहित एक दर्जन से ज्यादा कंपनियां टीके के लिए बुकिंग सेवा उपलब्ध कराने की मंजूरी मांग रही हैं। सरकार ने पिछले महीने कोविन को तीसरे पक्ष के ऐप्लिकेशन के साथ जोड़ने की खातिर नए दिशानिर्देश जारी किए थे जिससे डिजिटल ऐप के लिए इस तरह की सुविधा उपलब्ध कराने का रास्ता साफ हो गया। इससे पहले मई में पेटीएम ने उपयोगकर्ताओं की टीके के लिए स्लॉट तलाशने में मदद करने के उद्देश्य से अपने ऐप पर 'वैक्सीन फाउंडर' सुविधा शुरू की थी। पेटीएमक के एक प्रवक्ता ने कहा, 'हमारी कोशिश है कि हम भारत की इस महामारी से और मजबूत होकर निकलने में मदद करें। हमारे वैक्सीन फाइंडर से नागरिकों को सबसे करीबी केंद्रों में आसानी से स्लॉट बुक करने और टीका लगवाने में मदद मिलेगी।'

राहत की खबर: खाद्य तेल की कीमतों में जल्द हो सकती है गिरावट

बिजनेस डेस्क:

आने वाले कुछ दिनों में खाद्य तेल की कीमतों में गिरावट आ सकती है। खाद्य तेलों पर बीते चार दिन में 15 फीसदी की कमी नजर आने लगी है। अडानी विल्मर के अतुल चतुर्वेदी ने एक इंटरव्यू में कहा कि जब बाजार ऊपर जाते हैं तो वे लिफ्ट में ऊपर जाते हैं और जब वे नीचे आते हैं तो वह एक शाफ्ट में नीचे आते हैं। ठीक ऐसा ही हो रही है, पिछले 2 दिनों में बाजार लगभग 15-18 फीसदी तक गिर चुका है। अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर का कहना है, अमेरिका, मलेशिया और इंडोनेशिया से बड़ी मात्रा में तेल का आयात होता है लेकिन बीते कुछ वक्त पहले अमेरिका में बायो फ्यूल में 46 फीसदी तक रिफाइंड तेल मिलाने की इजाजत दे दी गई। जबकि पहले 13 फीसदी तक मिलाया जाता था। वहीं ईद के चलते मलेशिया और इंडोनेशिया में काम कम होने के चलते प्रोडक्शन पर इसका बड़ा असर पड़ता है। कुछ देशों में मौसम के चलते फसल भी खराब हो गई थी। भारत में तेल महंगा होने के कई बड़े कारणों में से यह कुछ कारण थे। मंगलवार को अमेरिका में एक बार फिर बायो फ्यूल में दूसरे खाद्य तेल कितने फीसदी तक मिलाए जाएं इस पर विचार होने जा रहा है और यह भी हो सकता है कि 46 फीसदी तक रिफाइंड तेल मिलाने के फैसले को ही वापस ले लिया जाए। वहीं अब मलेशिया और इंडोनेशिया में भी खूब प्रोडक्शन हो रहा है। बीते चार दिन में आई 15 फीसदी की छोटी सी मंदी भी इसी का असर है।

एक साल में कितने बढ़े दाम?

भारत में आमतौर पर मूंगफली, सरसों, वनस्पति, सोया, सूरजमुखी और पाम ऑयल को खाद्य तेल के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। इन सभी तेलों के दाम बीते एक साल में अलग-अलग तेल के हिसाब से 20 से 60 फीसदी बढ़े हैं। एसईएआई (SEAI) के अनुसार, पाम ऑयल का दाम एक साल पहले 533 डॉलर/प्रति टन था, जो इस साल अप्रैल में बढ़कर 1,173 डॉलर तक पहुंच गया। सूरजमुखी और पाम ऑयल के दाम करीब 60 फीसदी तक बढ़े हैं। मूंगफली के तेल में पिछले एक साल में 20 फीसदी, सरसों के तेल में करीब 50 फीसदी और वनस्पति तेल के दामों में 45 फीसदी की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। मई के महीने में इन सभी तेलों के दाम बीते 11 सालों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए थे। जून महीने में खाद्य तेलों की मांग में कमी की वजह से दामों में कुछ गिरावट आई है लेकिन यह स्थिति कब तक रहेगी, इस पर अभी से कुछ कहा नहीं जा सकता है।

रिलायंस के शेयरों में जबर्दस्त लिवाली से सेंसेक्स, निफ्टी नए रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई,

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में जबर्दस्त लिवाली से सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती नुकसान से उबरकर अपने नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर बंद हुए।

कारोबारियों ने कहा कि वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख तथा कोविड-19 के नए मामलों में कमी से भी बाजार की धारणा मजबूत हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 76.77 अंक या 0.15 प्रतिशत के लाभ से 52,551.53 अंक पर बंद हुआ। यह इसका नया उच्चस्तर है। सेंसेक्स लगातार तीसरे दिन लाभ के साथ बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 12.50 अंक या 0.08 प्रतिशत के लाभ से 15,811.85 अंक के अपने नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर सबसे अधिक 1.46 प्रतिशत चढ़ गया। बजाज फाइनेंस, ओएनजीसी, इन्फोसिस, पावरग्रिड, एलएंडटी और इंडसइंड बैंक के शेयर भी लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर कोटक बैंक, एचडीएफसी, सन फार्मा, बजाज ऑटो, एनटीपीसी, मारुति और एचडीएफसी बैंक के शेयर 1.51 प्रतिशत तक टूट गए। इस बीच, अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में जोरदार गिरावट आई। इसकी वजह इस तरह की खबरें हैं कि नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लि. (एनएसडीएल) ने तीन विदेशी कोषों के खातों को फ्रीज कर दिया है। ये विदेशी कोष समूह की कंपनियों में सबसे बड़े शेयरधारक हैं। हालांकि, अडाणी समूह ने कहा है कि उसके बाद लिखित में इस बात की पुष्टि है कि इन तीन विदेशी कोषों के खातों को फ्रीज नहीं किया गया है। इस बारे में खबरें भ्रामक हैं।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''हालांकि, घरेलू बाजार नकारात्मक रुख के साथ खुले, लेकिन बड़ी कंपनियों की अगुवाई में दोपहर के कारोबार में ये उबर गए। मई की थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 12.94 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जिससे पता चलता है कि ईंधन और विनिर्मित उत्पादों के दाम ऊंचे स्तर पर हैं।'' नायर ने कहा कि फेडरल रिजर्व की बैठक 15-16 जून को होगी। इससे आगामी दिनों में निवेशको का का रुख तय होगा। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप में 0.68 प्रतिशत की गिरावट आई। अन्य एशियाई बाजारों में जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ में रहे। चीन और हांगकांग के बाजारों में अवकाश था। दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजार बढ़त में थे। इस बीच, अंतराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 0.94 प्रतिशत की बढ़त के साथ 73.37 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 22 पैसे टूटकर 73.29 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश में एक दिन में कोविड-19 संक्रमण के 70,421 मामले आए हैं। यह 74 दिन का सबसे निचला आंकड़ा है। इससे कुल सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 10 लाख से नीचे आ गई है।

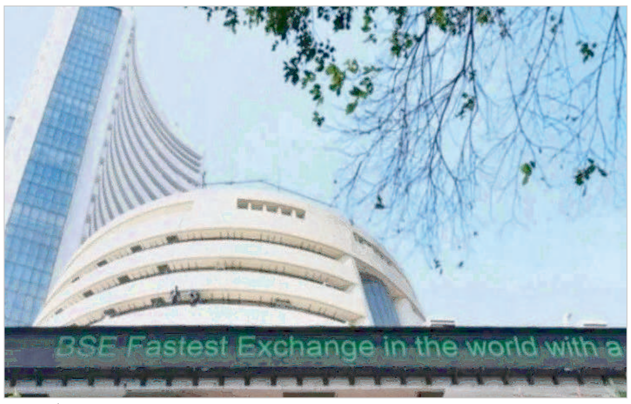

पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री अमित मित्रा ने लगाए आरोप, बोले- बहुमत से निर्णय लेने वाली संस्था बनी जीएसटी काउंसिल

नेशनल डेस्क:

पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री अमित मित्रा ने सोमवार को आरोप लगाया कि माल एवं सेवाकर परिषद (जीएसटी) अब बहुमत से निर्णय लेने वाली संस्था बन गई है। इसमें अब आम सहमति से फैसले नहीं लिये जाते हैं। उन्होंने कहा कि परिषद में मंत्री समूह की आवाज को अनुसना कर दिया जाता है। मित्रा ने कहा कि 44वीं जीएसटी परिषद की बैठक में उन्होंने अपनी बात रखने का भरसक प्रयास किया था लेकिन ''ऐन मौके पर'' उनका वीडियो लिंक काट दिया गया। अमित मित्रा ने इस मामले की जांच की मांग की है कि जब बैठक चल रही थी तब कैसे और किसने उनके माइक्रोफोन की आवाज एन वक्त पर बंद कर दी। मित्रा ने संवाददाताओं से कहा कि, ''जीएसटी परिषद में अब अधिनायकवाद और बहुमतवाद का बोलबाला हो गया है .... यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।'' उन्होंने परिषद के फैसलों पर अपनी असहमति दर्ज कराने के लिये केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र भी लिखा है। ''मुझे बैठक में बार बार सुना गया, लेकिन बैठक के आखिरी हिस्से में मैंने अपना हाथ उठाया हुआ था और आप मुझे देख सकती थीं ... अन्य सभी माइक्रोफोन केन्द्र की वेब प्रबंधन टीम द्वारा खुले रखे गये थे, मेरा माइक्रोफोन बंद था। मैं यह देख सकता था .. मैं मूर्ख नहीं हूं। कृपया इसकी जांच करायें और मुझे बतायें। जब मैं अपनी असहमति जताना चाहता था तब मेरा माइक्रोफोन कैसे बंद कर दिया गया। मैं संदेह का लाभ देना चाहता हूं। मित्रा ने कहा ''उनके सीतारमण के साथ काफी अच्छे संबंध हैं, हालांकि, अभी तक उन्हें उनका जवाब नहीं मिला है। अमित मित्रा ने कोविड- 19 टीके पर कर नहीं घटाने के जीएसटी परिषद के शनिवार की बैठक के फैसले को ''जन-विरोधी'' बताया है। परिषद ने कोरोना वायरस की दवा जैसे रेमडेसिविर और टाक्लीजुमैब के साथ ही चिकित्सा आक्सीजन और आक्सीजन कंसन्ट्रेटर पर जीएसटी दर में कटौती की है लेकिन टीके पर कर घटाने की मांग को नकार दिया।

देश का कुल माल निर्यात पहली तिमाही में 87.2 अरब डॉलर पर पहुंच सकता

मुंबई ।

भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम बैंक) ने कहा कि देश का कुल माल निर्यात वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में 70.1 प्रतिशत बढ़कर 87.2 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है। पिछले साल इस सामान अवधि में निर्यात 51.3 अरब डालर का निर्यात हुआ था। एक्जिम बैंक ने कहा कि गैर-तेल निर्यात चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून की तिमाही में 68.5 प्रतिशत बढ़कर 78.26 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है। यह वित्त वर्ष 2020-21 की इस अवधि में यह 46.4 अरब डॉलर था। एक्जिम बैंक के तिमाही पूर्वानुमान के अनुसार भारत के निर्यात में तेज वृद्धि तुलनात्मक आधार के प्रभाव के कारण है। तेल की कीमतों में उछाल तथा उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में मजबूत वृद्धि से भी भारत के निर्यात में तेजी आई है। बैंक के अनुसार देश में अप्रैल-मई 2021 के दौरान कोविड19 महामारी की दूसरी लहर से तिमाही के दौरान निर्यात में कुछ हद तक कमी आ सकती है। हालांकि भारत से जाने वाले शिपमेंट का कम प्रभावित होने का अनुमान है।

एमवे इंडिया ने अपने पोषण और प्रतिरक्षा पोर्टफोलियो को मजबूत किया

मुंबई । देश की अग्रणी एफएमसीजी डायरेक्ट सेलिंग कंपनियों में से एकएमवे इंडिया ने आज कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले व्यक्तियों के लिए न्यूट्रीलाइट विटामिन सी चेरी प्लस को लॉन्च करने की घोषणा की, जो एक्सटेंडेड-रिलीज तकनीकके लाभ के साथ आता है। इसी के साथएमवे इंडिया ने कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले व्यक्तियों के लिए विशेष आहार उपयोग के लिए एक उत्पाद पेश करके देश में अपने पोषण और प्रतिरक्षा समर्थक पोर्टफोलियो को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। न्यूट्रीलाइट विटामिन सी चेरी प्लस 8 घंटे से अधिक समय तक शरीर में विटामिन सी का निरंतर प्रवाह प्रदान करता है, क्योंकि इसे पूरे दिन प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती प्रदान करने के लिए एक्सटेंडेड-रिलीज तकनीक के साथ तैयार किया गया है।

एमवे इंडिया के सीईओ अंशु बुधराजा ने इस श्रेणी पर टिप्पणी करते हुए कहा, "आज हम अपने पोषण और प्रतिरक्षा संबंधी जरूरतों को प्राथमिकता देने को विवश हैं, क्योंकि हम अपनी जीवन शैली में उचित बदलाव करते हुए महामारी से लड़ाई को जारी रखे हुए हैं। हाल के दिनों में हमने देखा है कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले व्यक्ति अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती प्रदान करने और खुद को सुरक्षित रखने के लिए निवारक एवं स्मार्ट स्वास्थ्य देखभाल की ओर स्थानांतरित हो गए हैं। महामारी रूपी वैश्विक स्वास्थ्य संकट के परिणामस्वरूप स्वास्थ्य और पोषण संबंधी खुराक की मांग में तीव्र वृद्धि हुई है तथा विटामिन सी उनमें से एक है, क्योंकि यह प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए सहायक अपने गुणों के लिए जाना जाता है। भारत में वयस्क विटामिन सी का बाजार 2020 में 185करोड़ रुपए के करीब था और यह 15त्न के सीएजीआर के साथ निरंतर बढ़ रहा है। विकास की इस प्रवृत्ति को देखते हुए और पोषण व प्रतिरक्षा श्रेणी के तहत उत्पादों की हमारी मौजूदा रेंज के विस्तार के साथ न्यूट्रीलाइट विटामिन सी चेरी प्लस को विशिष्ट आवश्यकता वाली आबादी के लिए लक्षित करके हम 2025 तक 100 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व उत्पन्न करने का लक्ष्य बना रहे हैं।"

सिज़ोफ्रेनिया को दवा के बिना ठीक किया जा सकता है: डॉ कैलाश मंत्री

सिज़ोफ्रेनिया एक बहु व्यक्तित्व विकार नहीं है। यह और कुछ नही लेकिन वास्तविकता से विचार का नुकसान है और इसे डॉ. कैलाश मंत्री ने बिना दवा के ठीक करने का दावा किया है। मुंबई स्थित डॉ कैलाश मंत्री एक लाइफ कोच है, और उन्होने स्वीझोफ्रेनिया को दानव की उपमा दी है। वो पिछले 25 वर्षों से स्वीझोफ्रेनिया जैसी बीमारियों को बिना दवाइ ठीक कर रहे हैं।

मनोरोग प्रतिरोधी ड्रग्स मानसिक कोहरे संज्ञानात्मक हानि जैसे कई अप्रिय दुष्प्रभाव पैदा करते हैं। स्वीझोफ्रेनिया का दृष्टिकोण बदल राहा है। डॉ कैलाश मंत्री जी का कहना है कि मानसिक बीमारी को ठीक करने के लिए कोई दवा उपलब्ध नहीं है। दवाईयों का इस्तेमाल सिज़ोफ्रेनिया को ठीक करने के लिए नहीं बल्कि केवल व्यक्ति को अधिक सुस्त दिखाने और बनाने के लिए किए जाते हैं। यह मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक विकार है और इसमें दवाओं की कोई भूमिका नहीं है। दवाएं केवल मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र को उत्तेजित करती हैं। रोगी की। यह आगे चलकर सिज़ोफ्रेनिया से पीड़ित व्यक्ति के शरीर और मस्तिष्क को चलाकर उपचार को और कठिन बना देता है। उन्होंने कहा है कि लक्षण किशोरावस्था में शुरू होते हैं। वे नवजात शिशु में रहते हैं और उम्र के साथ प्रमुख हो जाते हैं। व्यवहार में परिवर्तन या मनोदशा और नींद की कमी इस जटिल मानसिक विकार के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ती गंभीरता के साथ इलाज मुश्किल हो जाता है, इसलिए मानसिक विकार के लिए जल्द से जल्द इलाज किया जाना चाहिए।

नीदरलैंड ने यूक्रेन पर जीत के साथ शुरू किया यूरो 2020 अभियान

मॉस्को । नीदरलैंड ने यूक्रेन के खिलाफ जीत के साथ अपने यूईएफए यूरो 2020 अभियान की शुरुआत की है। एम्स्टडर्म में रविवार को खेले गए यूरो 2020 कप के ग्रुप सी मुकाबले में नीदरलैंड ने यूक्रेन को 3-2 से हराया। मैच का सबसे निर्णायक गोल नीदरलैंड के डेनजेल डमफ्रीज ने किया। इससे पहले रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में खेले गए मैच में ऑस्ट्रिया ने नॉर्थ मैसेडोनिया पर 3-1 से जीत हासिल की। नीदरलैंड अब 17 जून को एम्स्टडर्म में ऑस्ट्रिया से भिड़ेगा, जबकि यूक्रेन की टीम इसी दिन बुखारेस्ट में नॉर्थ मैसेडोनिया के खिलाफ खेलेगी। उल्लेखनीय है कि इस साल यूरो 2020 टूर्नामेंट अपने 60 साल के इतिहास में पहली बार पूरे महाद्वीप में आयोजित किया जा रहा है।11 शहर इसकी मेजबानी कर रहे हैं, जिनमें लंदन, सेंट पीटर्सबर्ग, बाकू, म्यूनिख, रोम, एम्स्टडर्म, बुखारेस्ट, बुडापेस्ट, कोपेनहेगन, ग्लासगो और सेविले शामिल हैं। टूर्नामेंट का फाइनल 11 जुलाई को लंदन के वेम्बली स्टेडियम में खेला जाना है।

जोकोविच ने सितसिपास को हराकर 19वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीता

पेरिस ।

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने दो सेट से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए रविवार को यहां यूनान के स्टेफानोस सितसिपास को पांच सेट तक चले फाइनल में हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल का दूसरा और कुल 19वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीता। पांचवें वरीय सितसिपास ने पहले दो सेट 7-6, 6-2 से जीतकर शानदार शुरुआत की लेकिन शीर्ष वरीय जोकोविच ने अगले दो सेट 6-3, 6-2 से जीतकर मुकाबले को पांचवें और निर्णायक सेट में खींच दिया। निर्णायक सेट में जोकोविच ने तीसरे गेम में सितसिपास की सर्विस तोड़कर बढ़त बनाई और फिर इसे अंत कायम रखते हुए 6-4 से सेट अपने नाम करते हुए मैच और खिताब जीत लिया। जोकोविच के पास पांचवें गेम में भी यूनान के खिलाड़ी की सर्विस तोड़ने का मौका था लेकिन उन्होंने इसे गंवा दिया। सर्बियाई खिलाड़ी ने इसके बाद 10वें गेम में अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की। जोकोविच ने सितसिपास का यूनान का पहला ग्रैंडस्लैम चैंपियन बनने का सपना भी तोड़ दिया। जोकोविच अब रोजर फेडरर और रफेल नडाल के रिकॉर्ड 20 ग्रैंडस्लैम खिताब की बराबरी करने से सिर्फ एक कदम दूर हैं। 22 साल के सितसिपास को पीठ में दर्द के कारण मुकाबले के दौरान तीसरे सेट के बाद कोर्ट पर ही अपने ट्रेनर से उपचार भी कराना पड़ा। जोकोविच इससे पहले भी अपने करियर में पांच बार पहले दो सेट गंवाने के बावजूद जीत दर्ज करने में सफल रहे हैं। इस मुकाबले से पहले पांच सेट तक चलने वाले मुकाबलों में सर्बिया के इस खिलाड़ी ने 34 बार जीत दर्ज की थी जबकि 10 बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल में एक अन्य दिग्गज खिलाड़ी और रोलां गैरो के बेताज बादशाह रफेल नडाल को हराने वाले जोकोविच 29वीं बार ग्रैंडस्लैम फाइनल में खेल रहे थे जबकि यूनान के खिलाड़ी ने पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई थी। जोकोविच ने अच्छी शुरुआत की थी और उनके पास पहले सेट में अपनी सर्विस पर जीत दर्ज करने का मौका था लेकिन इसके बाद उन्होंने अगले 9 में से 8 अंक गंवा दिए और टाईब्रेकर में भी 0-4 से पिछड़ गए जिसके बाद सितसिपास को पहले सेट जीतने में कोई परेशानी नहीं हुई। सितसिपास ने दूसरे सेट में दो बार जोकोविच की सर्विस तोड़कर 2-0 की महत्वपूर्ण बढ़त बनाई लेकिन सर्बियाई खिलाड़ी अगले दो सेट आसानी से जीतकर स्कोर 2-2 से बराबर करने में सफल रहा।

मालविका बंसोद को लिथुवानियाई टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब

कौनास (लिथुवानिया) ।

भारत की मालविका बंसोद ने आयरलैंड की राचेल डेराग को सीधे गेम में हराकर आरएसएल लिथुवानियाई अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब जीता। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने चौथी वरीय डेराग को रविवार को खेले गए फाइनल में 21–14, 21–11 से हराया। यह मैच केवल 29 मिनट तक चला। पिछले महीने आस्ट्रियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली मालविका ने इससे पहले सेमीफाइनल में फ्रांस की अन्ना टात्रानोवा को 21–13, 21–10 से हराया था। अपनी खिताबी राह में 19 वर्षीय मालविका ने पहले दौर में स्थानीय खिलाड़ी विल्टे पॉलसकेते को 21–6, 21–10 और फिर इजराइल की हेली नीमन को 21–10, 21–11 से पराजित किया। इसके बाद उन्होंने क्वार्टर फाइनल में आस्ट्रिया की कैटरीन न्यूडोल्ट को 21–12, 21–9 से शिकस्त दी।

अनिर्बान लाहिड़ी पालमेटियो चैम्पियनशिप में संयुक्त 25वें स्थान पर

रिजलैंड (अमेरिका) ।

भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी यहां पालमेटियो चैम्पियनशिप के आखिरी दौर में चार अंडर-67 के शानदार कार्ड के साथ संयुक्त रूप से 25वें स्थान पर रहे। चौथे दौर में शुरू के पांच होल में से चार में बर्डी लगाकर उन्होंने शानदार शुरूआत की लेकिन इसके बाद इस लय को बरकरार रखी। उन्होंने इस दौरान 6 बर्डी और दो बोगी की। इस दौर में चार अंडर के कार्ड से उनका कुल स्कोर पांच अंडर 279 रहा। इससे पहले उन्होंन शुरूआती तीन दौर में 69-73-70 का स्कोर किया था। इस प्रदर्शन से हालांकि भारतीय खिलाड़ी को राहत मिली होगी क्योंकि इससे पहले वह तीन टूर्नामेंटों में कट हासिल करने में नाकाम रहे थे। इससे उनकी फेडएक्सकप रैंकिंग में कुछ हद तक सुधार हुआ है और वह सात स्थान के सुधार के साथ 115 वें स्थान पर पहुंच गये है। सत्र के आखिर में इस रैंकिंग के शीर्ष 125 खिलाड़ी फेडएक्सकप प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करेंगे। इसबीच दक्षिण अफ्रीका के 22 साल के गैरिक हिग्गो 3 अंडर 68 के कार्ड के साथ कुल 11 अंडर के स्कोर से इसके विजेता बने। छह खिलाड़ी 10 अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे।

कोरोना वॉरियर्स के नाम करेंगे टोक्यो ओलिम्पिक में जीता पदक : मनप्रीत सिंह

बेंगलुरु।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने देश के सभी कोरोना योद्धाओं का शुक्रिया अदा करने और उनके सम्मान के तौर पर टोक्यो ओलिम्पिक खेलों में अपने प्रदर्शन को उन्हें समर्पित करने की शपथ ली है। कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने सभी बाधाओं पर पार पाते हुए ओलिम्पिक खेलों में भारत के लिए पदक जीतने और इसे देश के फ्रंटलाइन वर्कर को समर्पित करने का संकल्प लिया है।

मनप्रीत ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी एक वीडियो में कहा कि जैसा कि हम आगामी टोक्यो ओलिम्पिक खेलों 2020 के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हम भारत के लिए पदक जीतने के लिए सभी बाधाओं से लडने् का वादा करते हैं और अगर हम कोई पदक जीतते हैं तो हम इसे अपने देश के सच्चे नायकों को समर्पित करना चाहेंगे। डॉक्टरों और फ्रंटलाइन वर्कर ने इस मुश्किल समय में हमारे देश को बचाने के लिए अथक परिश्रम किया है और लाखों लोगों की जान बचाई है। टोक्यो ओलिम्पिक खेलों के लिए अब 40 दिनों से भी कम समय शेष है। विश्व की चौथे नंबर की भारतीय टीम इसमें अपना सर्वश्रेष्ठ देना जारी रखना पसंद करेगी। यही वजह है कि बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (एसआई) केंद्र में खिलाड़ी और टीम अपने प्रशिक्षण में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

कप्तान मनप्रीत ने कहा कि मौजूदा चयन ट्रायल में उनकी टीम ने जिस तरह का समर्पण दिखाया है, उसके लिए उन्हें अपनी टीम पर गर्व है। मनप्रीत ने कहा कि ट्रायल्स के दौरान हम में से हर एक ने जिस तरह का समर्पण दिखाया है उसे देखकर मुझे सच में गर्व हो रहा है। ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करना हर एथलीट के लिए बहुत बड़ा सम्मान और सपना होता है। हर कोई अपना बेस्ट देने के लिए एक-दूसरे को प्रोत्साहित कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

जापान के प्रधानमंत्री को जी-7 के नेताओं से मिला ओलिम्पिक आयोजन का समर्थन

टोक्यो ।

जापानी प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा ने कहा कि अगले महीने टोक्यो ओलिम्पिक की मेजबानी के उनके दृढ़ संकल्प को लिए जी-7 समूह के नेताओं ने फिर से समर्थन दिया है। सुगा ने जी -7 शिखर सम्मेलन के दौरान ब्रिटेन में संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने अन्य नेताओं को जापान के वायरस नियंत्रण उपायों को सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के बारे में बताया जिससे इन खेलों का आयोजन सुरक्षित तरीके से होगा। सुगा ने ब्रिटेन से टोक्यो की उड़ान भरने से पहले कहा कि मैं सभी नेताओं से मिले दृढ़ समर्थन से आश्वस्त महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि मैं टोक्यो खेलों को किसी भी कीमत पर सफल बनाने के लिए अपने दृढ़ संकल्प को फिर से दोहरता हूं। ओलिम्पिक के शुरू होने में लगभग 40 दिनों बचे है लेकिन टोक्यो और जापान के कुछ अन्य बड़े शहरों में कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने और चिकित्सा प्रणाली पर दबाव कम करने के मकसद से आपातकाल लगाया गया है। जापान में टीकाकरण की रफ्तार काफी धीमी है और वहां अब तक लगभग 5 प्रतिशत आबादी को ही टीका लगा है। सुगा को टोक्यो के साथ दूसरे प्रांतों में 20 जून तक लागू आपातकाल के लागू रहने या हटाए जाने पर भी फैसला करना है। जापान में कोविड-19 के 7,74,000 मामले दर्ज हुए है जिसमें से लगभग 14,000 लोगों की मौत हुई है। पिछले साल महामारी के कारण स्थगित हुए तोक्यो खेलों का आगाज 23 जुलाई से होना है, जिसके लिए बड़ी संख्या में विदेशी खिलाड़ी और खेल से जुड़े लोग जापान आएंगे। विदेशी प्रशंसको के जापान आने पर हालांकि रोक लगा दी गयी है।

उनादकट का चयन नहीं होने पर दीप दासगुप्ता ने जतायी नाराजगी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दीप दासगुप्ता ने तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट को श्रीलंका दौरे के लिए टीम में शामिल नहीं किये जाने की आलोचना की है। दीप दासगुप्ता ने कहा कि उनादकट को श्रीलंका दौरे पर जरूर अवसर दिया जाना चाहिए था। इसके साथ ही युवा राहुल तेवतिया को भी टीम में शामिल किया जाना था। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि तेवतिया तो पिछली सीरीज में टीम का हिस्सा भी थे, उन्हें भी मौका मिलना चाहिए था। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप 25 के बजाए 27 खिलाड़ियों को श्रीलंका ले जाते. दासगुप्ता ने अपने एक वीडियो में कहा कि मैं चयन को लेकर ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा पर उनादकट जैसे मेहनती और जुनूनी खिलाड़ी को जरूर मौका मिलना चाहिए था। वो सिर्फ आईपीएल में भी गेंदबाजी नहीं करते, बल्कि रणजी ट्रॉफी में भी 20-25 ओवर फेंकते हैं। इसके साथ ही वह बहुत मेहनती गेंदबाज हैं। उनका खेल के प्रति जुनून देखने लायक है। इससे पहले पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने भी उनादकट को टीम में शामिल नहीं किये जाने पर नाराजगी व्यक्त की थी।

ब्राजील की वेनेजुएला पर बड़ी जीत के साथ कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट 2021 का आगाज

मॉस्को ।

ब्राजील की वेनेजुएला पर जबरदस्त जीत के साथ रविवार को कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट 2021 का शानदार आगाज हुआ। ब्रीजीलिया में खेले गए इस टूर्नामेंट ओपनर मैच में ब्राजील ने वेनेजुएला के खिलाफ 3-0 से जीत दर्ज और कोपा अमेरिका टूर्नामेंट के ग्रुप बी में बढ़त बना ली। ब्राजील अब 17 जून को पेरू से भिड़ेगा, जबकि वेनेजुएला का सामना कोलंबिया से होगा। उल्लेखनीय है कि कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट पहले अर्जेंटीना और कोलंबिया में आयोजित होना था, लेकिन पिछले साल कोरोना महामारी के कारण यह स्थगित कर दिया गया था। दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल परिसंघ ने राष्ट्रव्यापी विरोध के कारण कोलंबिया को प्रतियोगिता आयोजित करने के विशेषाधिकार देने से इंकार कर दिया था। बाद में अर्जेंटीना भी देश भर में कोरोना महामारी की गंभीर स्थिति के कारण मेजबान सूची से बाहर हो गया था। इससे पहले जून में कई समूहों द्वारा कोरोना जोखिमों के मद्देनजर ब्राजील में होने वाली प्रतियोगिता को रोकने का आग्रह किया था। बहरहाल ब्राजील के सर्वोच्च न्यायालय ने यह फैसला सुनाया है कि कोरोना महामारी के बावजूद ब्राजील में 2021 कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट रविवार को योजना के अनुसार आयोजित होगा और ऐसा हुआ भी है। ब्राजील ने टूर्नामेंट ओपनर मैच में वेनेजुएला को 3-0 से हराया है। यह टूर्नामेंट ब्राजील के रियो डी जनेरियो, गोआइस, माटो ग्रोसो और फेडरल डिस्ट्रिक्ट में खेला जाएगा, जिसका फाइनल 10 जुलाई को रियो डी जनेरियो के माराकाना स्टेडियम में होगा।

इंग्लैंड टीम को रणनीति बदलने की जरुरत : हुसैन

लंदन। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली हार से पूर्व कप्तान नासिर हुसैन भी निराश हैं। नासिर ने भी माना कि मौजूदा रणनीति को बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि टीम ने जिस प्रकार बल्लेबाजी की वह समझ नहीं आयी। साथ ही माना कि इंग्लैंड के पास कोई बहाना भी नहीं है क्योंकि वे घर पर खेल रहे हैं और तकरीबन सभी खिलाड़ी चयन के लिए उपलब्ध थे। टीम का आगे एक व्यस्त टेस्ट कार्यक्रम है क्योंकि वह इस साल के अंत में एशेज के बाद पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत से खेलेगा। इसके बाद भी उसने जिस प्रकार खेला है वह हैरान करने वाला है। सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड के खराब प्रदर्शन के बाद टीम की काफी आलोचना हो रही है. मैच की पहली पारी में इंग्लैंड ने कुल 303 रन बनाए, जिसके जवाब में न्यूजीलैंड ने 388 रन बनाकर 85 रन की बढ़त हासिल कर ली। वहीं दूसरी पारी मेजबान टीम के लिए अच्छी नहीं रही और उसकी बल्लेबाजी बिखर गई। इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी में 122 रन बनाए। कीवी टीम के शीर्ष और मध्य क्रम को नील वैगनर और मैट हेनरी ने आउट कर तीन-तीन विकेट लिए। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड टीम ने दो विकेट के नुकसान पर ही यह लक्ष्य हासिल कर लिया।

डब्ल्यूटीसी मुकाबले के लिए तैयार हुई पिच , तेज गेंदबाजों को मिलेगी सहायता

साउथम्पटन ।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच यहां 18 से 22 जून तक होने वाले पहले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के खिताबी मुकाबले के लिए पिच तैयार हो गयी है। यह पिच से तेज गेंदबाजों को सहायता मिलने की उम्मीद है। ऐसे में न्यूजीलैंड टीम को लाभ मिल सकता है क्योंकि उसने इंग्लैंड में तेज पिचों पर टेस्ट सीरीज जीती है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। कीवी टीम के पास टेंट बोल्ट और टिम साउदी जैसे तेज गेंदबाज हैं जो भारतीय बल्लेबाजों के सामने चुनौती पेश करेंगे। आईसीसी की ओर से पहली बार इस प्रकार के टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे में सभी की नजर फाइनल पर हैं, साउथम्पटन के मैदानकर्मी और पिच क्यूरेटर सिमोन ली ने कहा कि पिच पर अच्छा उछाल और तेजी होगी। उन्होंने कहा, 'मैं व्यक्तिगत रूप से चाहता हूं कि पिच पर अच्छी गति और उछाल हो हालांकि यह कठिन होता है, क्योंकि मौसम ज्यादातर समय ठीक नहीं रहता है।' उन्होंने कहा कि मौसम को लेकर पूर्वानुमान अच्छा है। धूम रहेगी। ऐसे में हम तेज और उछाल वाली पिच बनाने में कामयाब रहेंगे। सिमोन ने कहा, 'लाल गेंद क्रिकेट को रोमांचक बनाती है। मैं एक क्रिकेट प्रशंसक हूं और मैं एक ऐसी पिच बनाना चाहता हूं, जहां क्रिकेट प्रेमी को हर गेंद देखना पड़े। चाहे वह अच्छी बल्लेबाजी हो या शानदार गेंदबाजी का ओवर हो' उन्होंने कहा कि मेडन ओवर काफी रोमांचक होता है। अगर गेंदबाज और बल्लेबाज के बीच अच्छी लड़ाई होती है तो ऐसे में पिच पर गति और उछाल तो होगा ही। सिर्फ तेज गेंदबाजों को ही फायदा नहीं होगा. मौसम पूर्वानुमान के अनुसार सभी पांच मैच के दिन तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहेगा और हल्की बारिश की संभावना है। ली का मानना है कि हालात अधिक शुष्क रहे तो अंतिम दो दिन स्पिन गेंदबाज भी अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि यहां की पिच जल्दी सूख जाती है, क्योंकि यहां मिट्टी में रेत मिली होती है लेकिन हम ऐसी पिच बनाने चाहते हैं जिससे सभी खिलाड़ियों को अपना कौशल दिखाने का मौका मिले।

बायर्न अंडर-19 विश्व टीम में चुने जाने से आश्चर्यचकित था : शुभो पॉल

नई दिल्ली ।

एफसी बायर्न की विश्व टीम (अंडर-19) में चुने जाने पर सुदेवा एफसी के कप्तान शुभो पॉल थोड़े आश्चर्यचकित थे लेकिन यह भारतीय फुटबॉलर प्रशिक्षण के लिए जर्मनी जाकर देश को गौरवान्वित करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। इस 17 साल के अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ी को एफसी बायर्न के दिग्गज और 1990 के विश्व कप विजेता क्लाउस ऑगेंथेलर द्वारा वीडियो फुटेज विश्लेषण के आधार पर दुनिया भर के अंडर -19 खिलाड़ियों में से चुना गया था। शुभो ने एआईएफएफ (अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ) की आधिकारिक वेबसाइट से कहा, 'वहां अपना नाम देखकर मैं आश्चर्यचकित हो गया था लेकिन यह वाकई एक अद्भुत अहसास है। एक बार जब मैं वहां (जर्मनी में) जाऊंगा तो मुझे अपने देश को गौरवान्वित करना होगा।' उन्होंने कहा, 'मैं इस तरह से खेलना चाहता हूं कि वे मेरे खेल को देखें और सोचे कि भारत से एक अच्छा खिलाड़ी निकला है। आखिर में मैं बायर्न और भारत दोनों सीनियर टीमों में जगह बनाना पसंद करूंगा।' पॉल अब मैक्सिको जाएंगे और वहां से जर्मनी के लिए उड़ान भरने से पहले 15 सदस्यीय दल 13 दिनों के लिए प्रशिक्षण लेगा। यिह विश्व टीम (अंडर-19) वहां स्थानीय टीमों के अलावा एफसी बायर्न अंडर-19 टीम के खिलाफ मैच खेलेगी। पॉल ने बताया कि जर्मनी के दिग्गजों ने बेहतर विश्लेषण के लिए पूरे मैच के फुटेज की मांग की थी। इसमें दुनिया भर के 100 खिलाड़ियों का चयन किया गया और सूची को पहले 64 और फिर घटाकर 35 करने के बाद आखिरी में 15 कर दिया गया। बंगाल के इस खिलाड़ी ने कहा, 'एक बार जब मुझे 100 खिलाड़ियों की सूची में चुना गया तो क्लब के कोचों ने वीडियो कॉल पर कई तरह के विश्लेषण किए थे। फिर अंत में उन्होंने 15 खिलाड़ियों की सूची की घोषणा की जो जर्मनी में प्रशिक्षण लेंगे और खेलेंगे।' शुभो 12 साल की उम्र से सुदेवा एफसी से जुड़े हैं। क्लब ने जब 2020-21 सत्र में आई लीग के लिए क्वालीफाई किया तो उन्हें टीम का कप्तान बनाया गया। उन्होंने एएफसी अंडर-16 चैम्पियनशिप क्वालीफिकेशन मैचों में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन मैचों में दो गोल किए। उन्होंने कहा, 'सुदेवा ने मेरी काफी मदद की।

यूरो 2020 फुटबॉल टूर्नामेंट : इंग्लैंड ने पहले मुकाबले में क्रोएशिया को 1-0 से हराया

लंदन। इंग्लैंड ने ग्रुप डी में यहां क्रोएशिया को 1-0 से हराकर यूरो 2020 फुटबॉल टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत की है। रहीम स्टर्लिंग के दूसरे हाफ में किये गोल से इंग्लैंड को यह जीत मिली है। इसी के साथ ही इंग्लैंड की टीम यूरोप की इस महाद्वीपीय फुटबॉल प्रतियोगिता में पहली बार जीत के साथ शुरुआत करने में सफल रही है। मैच का एकमात्र गोल स्टर्लिंग ने 57वें मिनट में किया। स्टर्लिंग ने टूर्नामेंट में पदार्पण कर रहे केविन फिलिप्स की थ्रोबॉल पर एक तेज किक मारी वहीं क्रोएशियाई गोलकीपर डोमीनिक लिवाकोविच ने इसे रोकने का प्रयास किया पर गेंद उनके हाथ से टकराने के बाद गोल में चली गयी। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने 2018 विश्व कप के सेमीफाइनल में क्रोएशिया के खिलाफ मिली हार का हिसाब भी बराबर कर लिया है। मैनचेस्टर सिटी की ओर से खेलने वाले स्ट्राइकर स्टर्लिंग का किसी बड़ी प्रतियोगिता में राष्ट्रीय टीम की ओर से यह पहला गोल है। इससे पहले वह 2014 और 2018 में विश्व कप और 2016 में यूरोपीय चैंपियनशिप में गोल करने में विफल रहे थे। अब ग्रुप डी के अपने अगले मैच में इंग्लैंड का मुकाबला शुक्रवार को स्कॉटलैंड से भिड़ेगा जबकि क्रोएशिया का सामना चेक गणराज्य से होगा। वहीं इस मैच में उतरने के साथ ही इंग्लैंड में मिडफील्डर ज्यूड बेलिंगघम यूरोपीय चैंपियनशिप में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने।

करोड़ों के रेवेन्यू का होता है लिंबायत जोन को नुकसान

अवैध बाधकाम के निर्माण में लिंबायत जोन के ऊपरी अधिकारियों का हाथ

सूरत भूमि, सूरत ।

डिंडोली विस्तार में चल रहे कोमर्शियल अवैध बांधकाम मे लिंबायत जोन के ऊपरी अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध बाधकाम में तेजी आ गई है। लेकिन इन अवैध बांधकामो से सूरत महानगर पालिका को करोड़ों का नुकसान उठाना पड़ रहा है। लेकिन इस नुकसान से लिंबायत जोन के अधिकारियों को कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि एक कहावत कही गई है **अपना पेट भरता, भाड़ में जाए जनता** अधिकारी इसी का अनुसरण कर रहे हैं। सूरत महानगर पालिका के कमिश्नर अगर लिंबायत जोन के अधिकारियों की जांच कराएं तो पता चल जाएगा। लेकिन डिंडोली में प्रियंका सोसाइटी के पास चल रहे कमर्शियल बाधकाम का डेमोलेशन करने के बाद भी बिल्डर द्वारा अधिकारियों के साथ तालमेल बिठाकर यह अवैध बाधकाम फिर से पूर्ण कर लिया गया है। समाचार पत्र में छपी हुई तस्वीर यह बता रही है की थोड़े दिन पहले जिस बिल्डिंग का मनपा कर्मचारी नाम मात्र का डेमोलेशन कर के गए थे, वही बिल्डिंग आज पर्दे की आड़ में फिर तैयार कर दी गई। **क्या मनपा अधिकारियों के थोड़ा मोड़ा डिमोलिशन कर देने के बाद बिल्डिंग को लीगल का सर्टिफिकेट मिल जाता है?** यह एक गंभीर विषय की बात है।

सूरत भूमि, सूरत। उत्तर भारतीय विकास परिषद अहमदाबाद गुजरात में स्थित राष्ट्रीय कार्यलय में संस्था के संस्थापक अथवा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम सिंह, प्रदेश अध्यक्ष महेश सिंह कुशवाह व शहर मंत्री मनोज पाण्डेय, के साथ सभी ट्रस्टीगण की सहमती से सूरत शहर के राजनाथ मिश्रा व सूरत भूमि के संपादक संजय मिश्रा को सूरत शहर में संयोजक क पदभार संभालने का तथा संस्था का विकास करने के लिए नियुक्त किया गया हैं। इस कार्य के लिए सूरत शहर के तमाम वरिष्ठ गणमान्य लोगो द्वारा अभिनंदन दिया गया।

महाराष्ट्र से चोरी करने के लिए महिला गैंग आती थी

सूरत ।

सूरत में लगातार चोरी की घटनाएं सामने आ रही है तब सूरत के सरथाणा क्षेत्र में स्थित एक ज्वेलर्स की दुकान में आई तीन महिलाएं दुकान मालिक की नजरों से बचकर सोने की चोरी करके फरार हो जाती है।

हालांकि चोरी होने का दुकान मालिक को ख्याल आने पर उसने सीसीटीवी चेक करने पर तीन में से बीच में बैठी महिला सोने की चेन रखती सीसीटीवी में कैद हुई है। चोरी की घटना का लाइव कैद हुआ विडियो हालांकि सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। पुलिस ने यह मामले में महाराष्ट्र की तीन महिलाओं की गिरफ्तारी की है। यह महिलाएं महाराष्ट्र से चोरी करने के लिए सूरत आती होने का खुलासा हुआ है।

सूरत में लगातार चोरी की घटनाएं सामने आ रही है, तब आज की घटना में सीसीटीवी जिस तरीके से वायरल हुआ है इसे लेकर लोग आश्चर्यचकित हो गये। हालांकि यह घटना सूरत के सरथाणा क्षेत्र में स्थित माणकी ज्वेलर्स नाम की दुकान में भी महिलाएं खरीदी करने के बहाने आई थी और एक के बाद एक वस्तु देखने का प्रयास कर रही थी।

हालांकि, दुकान मालिक यह महिलाओं को वस्तु बताने में रहते एक महिला ने दुकानदार की नजरों से बचकर सोने की चेन चुराकर पाकिट में रखी थी और महिलाएं कुछ ही मिनट में वहां से फरार हो गई थी। हालांकि महिलाएं आने के बाद काफी ज्यादा समय दुकान में बैठकर कोई भी खरीदी नहीं करने पर मालिक को अजीब लगने पर उसने दुकान में सीसीटीवी चेक किया

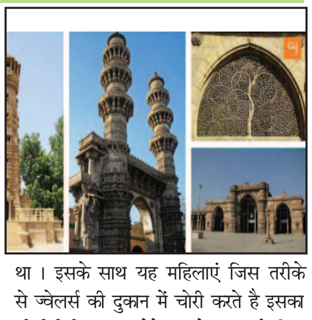

था। इसके साथ यह महिलाएं जिस तरीके से ज्वेलर्स की दुकान में चोरी करते है इसका सीसीटीवी वायरल होने पर लोग आश्चर्यचकित हो गये। हालांकि पुलिस ने यह महिलाओं को गिरफ्तार करने के लिए अलग-अलग टीमें बनाकर जांच शुरू कर दी है। तब यह चार महिलाओं की गैंग गिरफ्तार हुई थी।

बच्चों के लिए जल्द उपलब्ध हो सकती है कोरोना की वैक्सीन

अहमदाबाद ।

देशभर में कोरोना की दूसरी लहर में गिरावट का सिलसिला जारी है। जानकारों के मुताबिक अभी भी वायरस की तीसरी लहर का सामना करना पड़ सकता है। माना जा रहा है कि कोरोना की तीसरी लहर बच्चों को सबसे ज्यादा प्रभावित कर सकती है। इस बीच जानकारी सामने आ रही है अहमदाबाद स्थित जाइडस कैडिला ग्रुप १२ से १८ वर्ष की आयु के बच्चों के लिए कोविड टीके का परीक्षण कर रहा है। जल्द ही ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया से टीके की आपातकालीन उपयोग की अनुमति मांग सकती है।

यदि कैडिला को परीक्षण की मंजूरी मिल जाती है, तो यह दुनिया का पहला डीएनए-प्लास्मिड कोविड वैक्सीन होगा। सरकार और कंपनी के सूत्रों ने कहा कि अहमदाबाद स्थित फर्म लगभग एक सप्ताह में ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया से आपातकालीन उपयोग की अनुमति ले सकती है।

कंपनी के निदेशक ने इस सिलसिले में जानकारी देते हुए कहा कि टीका बनाने की प्रक्रिया हमेशा वृद्ध लोगों से शुरू की जाती है। उसके बाद युवाओं के लिए और फिर बच्चों के लिए वैक्सीन तैयार की जाती है, उन्होंने कहा कि हमारी वैक्सीन बच्चों के लिए ज्यादा फायदेमंद होगी। अब तक किए गए परीक्षणों ने कोई दुष्प्रभाव नहीं दिखाई दिया है। इस टीके

का एक और फायदा यह है कि इसमें इंजेक्शन की जरूरत नहीं होती है।

ZyCov-D अहमदाबाद स्थित Zydus-Cadila द्वारा विकसित एक टीका है। इस टीके की खास बात यह है कि यह इन मानव कोशिकाओं को SARS-CoV-२ एंटीजन बनाने के लिए प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए प्लास्मिड डीएनए का उपयोग करता है।

इसलिए वैक्सीन को २-८ डिग्री सेल्सियस के बीच संग्रहित किया जा सकता है। जबकि फाइजर-बायोएनटेक वैक्सीन को ७० डिग्री सेल्सियस या कम से कम -१५ से -२५ डिग्री सेल्सियस पर कोल्ड-चेन की आवश्यकता होती है।

कोरोना की तीसरी लहर से निपटने सरकार सुसज्जित

हेल्थ कमिश्नर ने आगे बताया कि, पूर्व तैयारी के लिए अस्पताल में चाइल्ड फ्रेंडली वार्ड तैयार किया जाएगा

गांधीनगर ।

मुख्यमंत्री विजय रुपाणी और उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल द्वारा प्रेस कॉन्फरन्स आयोजित की गई थी। यह प्रेस कॉन्फरन्स में मुख्य सचिव अनिल मुकीम और कै. कैलासनाथन मौजूद है। तब मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने बताया कि, कोरोना की दूसरी लहर में काफी संघर्ष करना पड़ा है। विशेषज्ञों का मानना है कि तीसरी लहर आयेगी। तीसरी लहर का एक्शन प्लान बनाया गया है। ऑक्सीजन से लेकर अस्पताल तक की चिंता राज्य सरकार को है। तीसरी लहर के मामले में एक्शन प्लान राज्य सरकार ने जारी किया है। भगवान से प्रार्थना करते है कि तीसरी लहर नहीं आये लेकिन आये तो सरकार तैयार है। हेल्थ कमिश्नर ने पत्रकार परिषद में एक्शन प्लान पेश करते हुए कहा कि, कोरोना की तीसरी लहर की सूचना मिलते ही तैयारियां शुरू कर दी गई थी।

विशेषज्ञों की टीम बनाई गई है। तीसरी लहर में म्यूटेन पर नजर रखा जाएगा। तीसरी लहर के लिए फीडबेक इंटेलिजंस बनाया जाएगा। छोटे गांवों में भी ध्यान दिया जाएगा। वेंटिलेटर, डॉक्टर, नर्स और अन्य स्टाफ की संख्या किस

तरीके से बढ़ाना इसका ध्यान रखा जाएगा। हेल्थ कमिश्नर ने आगे बताया कि, बेड की अवेलीबिटी की जानकारी सेंट्रल किया जाए जिसकी वजह से मरीज को मदद पहुंच सके। टेली मेडिशन के लिए व्यवस्था करना, अस्पताल में पर्याप्त व्यवस्था करना, सबसे ज्यादा केस आया इसके ज्यादा आये तो भी तैयार रखना, जिसके लिए १८०० अस्पताल शामिल है यह २४०० करना। आईसीयू में १५००० बेड थे इसे भी बढ़ाया गया। पीडियाट्रिक वेंटिलेटर की संख्या भी बढ़ाई गई है। हेल्थ कमिश्नर ने आगे बताया कि, पूर्व तैयारी के लिए अस्पताल में चाइल्ड फ्रेंडली वार्ड तैयार किया जाएगा। चाइल्ड फ्रेंडली वार्ड के लिए डॉक्टर स्टाफ को ट्रेनिंग देंगे। डेढ़ से दो गुना स्टाफ की दूसरे लहर में जरूरत हुई थी इसके लिए स्टाफ की भर्ती की जाएगी।

कमरे में सो रही एयर होस्टेस के साथ छेड़खानी

अहमदाबाद ।

शहर के चांदखेड़ा में रहने वाली एक २५ वर्षीय एयर होस्टेस तीन अन्य तीन एयर होस्टेस दोस्तों के साथ रहती थी। जिसमें से एक एयर होस्टेस अपने दोस्तों को बुलाकर शराब और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन कर रही है। पीड़ित एयर होस्टेस ने ऐसा नहीं करने को समझाकर। अपने कमरे में चली गई और सो गई। लेकिन इस दौरान शराब के नशे में धुत एक युवक उसके कमरे में घुस गया और बगल में लेटकर उसके साथ छेड़खानी करने लगा। अश्लील मांग को पूरी करने से जब एयर होस्टेस ने इनकार कर दिया तो इन लोगों ने उसको धमकी देने लगे। जिसके बाद लड़की ने चांदखेड़ा थाने में ४ लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

पंजाब की रहने वाली २५ साल की एयर होस्टेस अपने तीन दोस्तों के साथ बीते ६ माह से चांदखेड़ा में रह रही है। युवती स्पाइस जेट एयरलाइंस में एयर होस्टेस के रूप में काम करती है। लड़की के रूममेट के कुछ दोस्त उसके घर पर आए थे। पीड़िता ने जब अपने रूममेट से इस बारे में पूछा तो उसने कहा कि उसके दोस्त उससे मिलने आए है। एक दिन लड़की फ्लाइट से जयपुर गई थी और बाद में अहमदाबाद लौट आई। जब वह घर लौटी तो उसकी रूममेट और उसके दोस्त शराब और अन्य नशीले पदार्थों के साथ घर पर मस्ती कर रहे थे। लेकिन जब पीड़िता ने इन लोगों को समझाया तो उनके बीच झगड़ा हो गया। जिसके बाद वह अपने कमरे में जाकर सो गई।

इसी बीच रूममेट का दोस्त मयंक लड़की के कमरे में आया और उसके बगल में सोने के बाद उसके शरीर के साथ छेड़खानी कर अभद्र मांग करने लगा। घबराई लड़की कमरे से बाहर भागी और इस बात की शिकायत अपने रूममेट और उसके दोस्तों से की तो ये लोग उसे धमकी देने लगे। जिसके बाद लड़की ने चांदखेड़ा पुलिस को फोन कर घटना की सूचना दी। चांदखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंचकर प्रियंका, शुभम शेरावत, मयंक शेरावत और नीतीश के खिलाफ छेड़खानी और धमकी देने का मामला दर्ज किया है।

लैंक्सेस ने वित्त वर्ष 2021 के लिए अनुमान में इजाफा किया

सूरत।

पहली तिमाही के बेहतर नतीजे के बाद लैंक्सेस ने 2021 के पूरे वर्ष के लिए अनुमान को बढ़ा दिया है। विशिष्ट केमिकल्स कंपनी को 95 करोड़ यूरो से 1 अरब यूरो के बीच ईबीआइटीडीए (ब्याज, करों, मूल्यह्रास और परिशोधन पूर्व अर्जन) की उम्मीद है। इससे पहले कंपनी ने 90 करोड़ यूरो से एक अरब यूरो के बीच आय का अनुमान लगाया था।

पहली तिमाही में कंपनी का अपवादात्मक मदों के पूर्व ईबीआइटीडीए (ब्याज, करों, मूल्यह्रास और परिशोधन पूर्व अर्जन) 24.2 करोड़ यूरो रहा है, जो कि पिछले साल की समान तिमाही (24.5 करोड़ यूरो) के मुकाबले लगभग समान बढ़िया स्तर पर है, जो अभी तक कोरोनावायरस महामारी से अभूत ज्यादा प्रभावित नहीं हुआ है। सम्पूर्ण ग्रुप में 2021 की पहली तिमाही में वॉल्यूम पिछले साल के स्तर से अधिक रहा है। ऑटोमोटिव सेक्टर विशेषकर इंजीनियरिंग मैटेरियल सेगमेंट से मांग में मजबूती इसका प्रमुख कारण रहा। संयुक्त राज्य अमेरिका में उन्नत इंटरमीडिएट्स, स्पेशलिएटी एडिटिव्स और कंज्यूमर प्रोटेक्शन सेगमेंट में मौसम संबंधी उत्पादन बंदी के प्रभाव से हुए नुकसान की भरपाई करने में यह सफल रहा। इसके अलावा विशेष रूप से अमेरिकी डॉलर के कारण नकारात्मक विनिमय दर प्रभाव और विशेष रूप से जर्मनी में ऊर्जा की ऊँची लागत का नकारात्मक असर पड़ा।

पहली तिमाही में ग्रुप की बिक्री 1.693 अरब यूरो रही और यह पिछले साल की समान अवधि में हुई बिक्री (1.704 अरब यूरो) के लगभग बराबर रही। वहीं लगातार जारी परिचालन की वजह से समूह की आय भी 63 मिलियन यूरो के साथ स्थिर स्तर पर रही।

लैंक्सेस एजी के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के चेयरमैन मैथिएस जाहर्ट ने कहा कि, "चौथी तिमाही में बनी गति बरकरार रही है और हमने साल की बेहतर शुरुआत की है। हमें मांग में तेजी, विशेषकर ऑटोमोटिव सेक्टर, का फायदा मिला है। देखा जाए तो परिचालन के स्तर पर हमने कोरोना वायरस को पीछे छोड़ दिया है और अब हम साल के बाकी बचे समय के लिए काफी आश्वस्त हैं। अब हम ग्रोथ पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और हम वह सब कुछ कर रहे हैं जिससे की हमारे नए कारोबार के जल्द से जल्द अपनी प्पोरी क्षमता विक्सित करना सुनिश्चित किया जा सके।"

हार्दिक पटेल ने AAP में शामिल होने की खबरों का किया खंडन

बीजेपी पर लगाया आरोप, ये खबरें निराधार और फर्जी हैं : हार्दिक पटेल

गांधीनगर ।

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल गुजरात के दौरे पर हैं। इस बीच कुछ मीडिया हाउस ने गुजरात कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष हार्दिक पटेल आम आदमी पार्टी में शामिल होने की खबर चलाई थी। जिसके बाद हार्दिक पटेल ने सफाई देते हुए कहा कि भाजपा कोरोना काल में अपनी नाकामियों को छिपाने के उद्देश्य से मीडिया में फर्जी खबरें प्लांट करा रही है। हार्दिक पटेल ने फेसबुक पर सफाई देते हुए लिखा विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म्स में मेरे आम आदमी पार्टी में शामिल होने और आने वाले विधानसभा चुनाव में उनका चेहरा बनने की खबरें आने से अचंभित हूँ।

ये खबरें निराधार और फर्जी हैं एवं भाजपा द्वारा कांग्रेस समर्थकों, कार्यकर्ताओं और विशेषत: पाटीदार समाज में भ्रम फैलाने के उद्देश्य से प्लांट कराई गई हैं। हार्दिक ने आगे लिखा कांग्रेस पार्टी के १३० वर्षों से भी ज्यादा के इतिहास में, मैं सबसे कम उम्र का कार्यकारी अध्यक्ष हूँ। मेरे कांग्रेस में शामिल होने का एकमात्र उद्देश्य गुजरात से किसान विरोधी, गरीब विरोधी एवं पाटीदार विरोधी भाजपा को सत्ता से हटाना था। वर्ष २०१४ के बाद देश एवं गुजरात में समाज के सभी वर्गों की हालत बद से बदतर हो चुकी है। कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में मैं अपनी सभी जिम्मेदारियों का पालन पूरी तत्परता से करने हेतु प्रतिबद्ध हूँ। जिससे वर्ष २०२२ में गुजरात में कांग्रेस पार्टी की सरकार बन सके। मेरे नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने देश में

कई सक्रिय युवाओं को पार्टी का नेतृत्व करने का मौका दिया है, जिसका मैं ज्वलंत उदाहरण हूँ।

भाजपा के कुशासन के खिलाफ लड़ाई को जो भी मजबूत करना चाहता है, उसका गुजरात में स्वागत है, लेकिन वह कांग्रेस पार्टी ही है जो पिछले विधानसभा चुनावों में सरकार बनाने के बिल्कुल करीब पहुंच गई थी। गुजरात के लोगों ने पड़ोसी राज्य राजस्थान, महाराष्ट्र में कोरोना के भीषण संक्रमण काल में कांग्रेस पार्टी का प्रदर्शन देखा है और मुझे विश्वास है कि वर्ष २०२२ के बाद लोग राज्य में हमें पूर्ण बहुमत से उनकी सेवा करने का मौका देंगे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)